हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 202 बेमेतरा, सोमवार 16 मार्च 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान

मतदान की शुरुआत 9 अप्रैल से,बंगाल में दो चरण में वोटिंग

नई दिल्ली/ एजेंसी

देश के पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव का औपचारिक ऐलान हो चुका है। चुनाव आयोग ने विज्ञान भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरलम और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के चुनावी तारीखों का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। सभी की निगाहें इस बार इस बात पर लगी हुई थीं कि पश्चिम बंगाल में कितने चरणों में चुनाव होने वाला है। क्योंकि 2021 में राज्य में आठ चरणों में विधानसभा चुनाव का आयोजन किया गया था। लेकिन इस बार चुनाव आयोग ने बंगाल में दो ही चरणों में चुनाव करवाने का फैसला किया है। असम की सभी 126 विधानसभा सीटों पर एक ही चरण में चुनाव होने वाले हैं। राज्य में 9 अप्रैल को विधानसभा चुनावों के लिए वोटिंग होगी। जबकि नतीजों का ऐलान 4 मई को किया जाएगा। केरलम की सभी 140 विधानसभा सीटों पर और पुडुचेरी की सभी 30 विधानसभा सीटों पर 9 अप्रैल को वोटिंग होगी और नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे। पश्चिम बंगाल में इस बार दो ही चरण में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। पहले चरण में राज्य की 152 विधानसभा सीटों पर 23 अप्रैल को, जबकि दूसरे चरण में 142 विधानसभा सीटों पर 29 अप्रैल को मतदान होगा। जबकि चुनाव नतीजों का ऐलान 4 मई को ही किया जाएगा। बात करें तमिलनाडु के विधानसभा चुनाव की तारीखों की तो यहां की 234 विधानसभा सीटों पर पश्चिम बंगाल के पहले चरण

यानी 23 अप्रैल को एक चरण में मतदान होगा। चुनावों के नतीजे एक साथ ही 4 मई 2026 को घोषित किए जाएंगे। पश्चिम बंगाल में एक मात्र दो चरण में चुनाव कराने का ऐलान करते हुए चुनाव आयोग ने इस बात के साफसंकेत दे दिए हैं कि वह समूचे देश में जो एक साथ चुनाव कराने यानी 'वन नेशन वन इलेक्शन' की बात चल रही है, उसके लिए तैयार है। क्योंकि इसी पश्चिम बंगाल में पिछली बार 8 चरणों में चुनाव हुए थे। चुनाव आयोग ने बताया कि इन सभी क्षेत्रों में मतदाता सूची के सत्यापन, सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा एवं अन्य आवश्यक तैयारियों का व्यापक आकलन पूरा कर लिया है। चुनाव कार्यक्रम की विस्तृत घोषणा के बाद संबंधित राज्यों में आचार संहिता भी तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। इससे पहले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा है कि चुनाव आयोग ने असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के हालिया दौरों के दौरान इन राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने अपने बयान में कहा कि पिछले कुछ दिनों में हमने इन सभी पांच चुनाव वाले राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का दौरा किया, जहां मतदाताओं से सीधे संवाद किया गया। आयोग ने विशेष रूप से उत्कृष्ट कार्य करने वाले बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को सम्मानित किया।

कुल 17.4 करोड़ मतदाता होंगे शामिल

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने विधानसभा चुनावों को 'लोकतंत्र का त्योहार' करार देते हुए कहा कि यह देश का गौरव है। असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में होने वाले इन चुनावों में कुल 17.4 करोड़ मतदाता हिस्सा लेंगे। इन पांच राज्यों व केंद्र शासित प्रदेश में कुल 824 विधानसभा क्षेत्र हैं, जबकि मतदान केंद्रों की संख्या लगभग 2.19 लाख होगी। चुनाव प्रक्रिया में करीब 25 लाख कर्मचारी शामिल होंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि आयोग ने पिछले कुछ दिनों में सभी चुनावी राज्यों का दौरा कर तैयारियों की समीक्षा की है और राजनीतिक दलों, अधिकारियों तथा मतदाताओं से बातचीत की है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि चुनाव आयोग की टीम ने इन राज्यों में जाकर विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लिया।

संक्षिप्त समाचार

पंजाब में नहीं होगा अकाली-भाजपा गठबंधन, मोगा रैली में अमित शाह का बड़ा ऐलान

मोगा। पंजाब में साल 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक सरगर्मियां काफी तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में भारतीय जनता पार्टी आज मोगा में एक विशाल रैली कर रही है। इस रैली में हुंकार भरने के लिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह खुद मैदान में उतरे हैं। उन्होंने अपने कड़े संबोधन से पंजाब की सियासत में हलचल तेज कर दी है और आने वाले चुनावों के लिए पार्टी का स्पष्ट स्टैंड भी सबके सामने रख दिया है। रैली में शिरकत करने पहुंचे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज एक बिल्कुल अलग ही अंदाज में नजर आए। वह सिर पर केसरी रंग की पगड़ी बांधकर मंच पर पहुंचे, जिसने वहां मौजूद कार्यकर्ताओं में भारी जोश भर दिया। जैसे ही उन्होंने मंच पर कदम रखा, वहां मौजूद समर्थकों ने जोरदार नारेबाजी करते हुए उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान रैली में भारी भीड़ और उत्साह देखने को मिला, जो पंजाब में चुनाव से पहले माहौल बनाने की बड़ी कोशिश है। मंच से गरजते हुए अमित शाह ने अपने संबोधन में एक ऐसा बयान दिया, जिसने राज्य में पुरानी सहयोगी पार्टी शिरोमणि अकाली दल के साथ भविष्य के किसी भी गठबंधन की अटकलों को लगभग खत्म कर दिया है।

तेरा वंश खत्म कर दूंगी' पड़ोसी महिला ने दी थी खौफनाक धमकी, अब बोरे में मिला 2 साल के मासूम का शव

शिवहर। जिले के नगर थाना क्षेत्र स्थित ताजपुर गांव से एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां पुरानी रंजिश के चलते एक दो साल के मासूम बच्चे की बेरहमी से गला दबाकर हत्या कर दी गई। दरिंदगी का आलम यह था कि हत्या के बाद मासूम के शव को एक बोरे में बंद करके छिपा दिया गया था। मृतक की पहचान ताजपुर निवासी अरुण साह के दो वर्षीय पुत्र सुजीत कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। इस खौफनाक घटना के बाद से पूरे इलाके में मातम और हड़कंप का माहौल है। जानकारी के अनुसार, इस हत्याकांड की जड़ें एक पुरानी दुश्मनी में छिपी हैं।

बीजेपी के मेगा ऑफर का सच क्या है?

थलापति विजय को डिप्टी सीएम का पद और 80 सीटें का आफर

नई दिल्ली।एजेंसी

तमिलनाडु की सियासत में इन दिनों एक नाम की सबसे ज्यादा गूंज है- थलापति विजय। अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी 'तमिलगा वेट्टी कड़गम' यानी ञक्क्य के चुनाव मैदान में उतरने के फैसले ने राज्य के स्थापित राजनीतिक दलों की धड़कनें बढ़ा दी हैं। गलियारों में चर्चा जोरों पर है कि क्या विजय राज्य में किसी बड़े गठबंधन का हिस्सा बनेंगे या अकेले दम पर सत्ता की चाबी हासिल करेंगे ?इस बीच, बीजेपी और टीवीके के बीच संभावित गठबंधन को लेकर जो खबरें सामने आई हैं, उन्होंने न

केवल चेन्नई बल्कि दिल्ली तक के सियासी हलकों में हलचल पैदा कर दी है। दावा किया जा रहा है कि बीजेपी दक्षिण के इस सुपरस्टार को अपने पाले में लाने के लिए एक बहुत बड़ा दांव खेलने की तैयारी में है। मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से यह खबर तेजी से फैल रही है कि बीजेपी ने थलापति विजय के सामने गठबंधन के लिए एक आकर्षक प्रस्ताव रखा है। बताया जा रहा है कि बीजेपी ने टीवीके को आगामी 2026 विधानसभा चुनाव में 80 सीटें देने की पेशकश की है। इतना ही नहीं, विजय को राज्य का उपमुख्यमंत्री बनाने का प्रस्ताव भी चर्चा में है। बीजेपी की इस गहरी रुचि का सबसे बड़ा कारण विजय की विशाल फैन फॉलोइंग है, जिसके दम पर पार्टी तमिलनाडु के कड़े मुकाबलों में जीत का समीकरण अपने पक्ष में करना चाहती है। सूत्रों का तो यहां तक कहना है कि इस बातचीत को सिरे चढ़ाने के लिए बीजेपी एक अन्य राज्य के उपमुख्यमंत्री के जरिए मध्यस्थता भी करवा रही है।

देशभर के पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं, जमाखोरी से बचें

नई दिल्ली। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि देश भर के पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल और डीजल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। मंत्रालय ने लोगों से अपील की है कि घबराकर ईंधन जमा करने की कोशिश न करें और पेट्रोल या डीजल को ढीले या असुरक्षित कंटेनरों में भरकर न रखें, क्योंकि इससे सुरक्षा का बड़ा खतरा हो सकता है। मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि देश के सभी पेट्रोल पंपों पर पर्याप्त ईंधन का स्टॉक मौजूद है और कहीं भी कमी नहीं है। मंत्रालय ने कहा, देश भर के रिटेल आउटलेट्स पर पेट्रोल और डीजल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं।

आप ने 14 उम्मीदवारों के नाम का किया ऐलान

असम विधानसभा चुनाव में उतरेगी केजरीवाल की पार्टी

नईदिल्ली/ एजेंसी

असम विधानसभा चुनाव 2026 के लिए उम्मीदवारों की घोषणाएं शुरू हो गई हैं। आम आदमी पार्टी ने अपनी पहली उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी है, जिसमें पार्टी ने 14 उम्मीदवारों के नाम शामिल किए हैं। असम में मार्च-अप्रैल के बीच विधानसभा चुनाव होने की संभावना जताई जा रही है, और चुनाव आयोग किसी भी समय इन चुनावों की तारीखों का ऐलान कर सकता है। आम आदमी पार्टी से पहले कांग्रेस पार्टी ने भी 23 उम्मीदवारों की

अपनी दूसरी लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में कांग्रेस के पूर्व सांसद अब्दुल खालिक सहित राज्य के कई प्रमुख नेताओं के नाम शामिल हैं। कांग्रेस का यह कदम चुनावी मैदान में अपनी स्थिति मजबूत करने की ओर एक और बड़ा कदम माना जा रहा है। अब देखने वाली बात यह होगी कि अन्य प्रमुख राजनीतिक दल भाजपा कब अपने उम्मीदवारों की घोषणा करती है और चुनाव आयोग की ओर से असम विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान भी आज होने की संभावना है। 126 सीटों वाली असम विधानसभा में फिलहाल भाजपा की सरकार है और मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा राज्य की कमान लगातार दूसरे कार्यकाल में संभाल रहे हैं। वहीं कांग्रेस आगामी चुनावों में असम की सत्ता पर नजर बनाए हुए है।

स्वास्थ्य सेवा का उद्घाटन और शिलान्यास

पहली बार सरकारी कैंसर अस्पताल में प्रोटोन थेरेपी

गुवाहाटी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को गुवाहाटी में कई स्वास्थ्य सेवा परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि 10 साल पहले असम की स्वास्थ्य सेवाओं का हाल जर्जर था। सालों तक शासन में रहने वाली कांग्रेस ने अपने परिवारों के आर्थिक स्वास्थ्य के अलावा लोगों के स्वास्थ्य की चिंता नहीं की। गुवाहाटी में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, जब से हिमंत बिस्वा सरमा जब से असम के मुख्यमंत्री बने हैं, एक लगन

के साथ असम की स्वास्थ्य सेवाओं को गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे विकसित राज्यों के समकक्ष बनाने में सफ्ल हुए हैं। उन्होंने आगे कहा, हिमंत बिस्वा सरमा में एक और कला है। वे सरकार के साथ-साथ समाज को जोड़कर भी अपनी शक्ति को दोगुना करते हैं।

गैरसैंण में पांच दिन तक चला बजट सत्र मुख्यमंत्री धामी ने कांग्रेस पर किए तीखे हमले

गैरसैंण। उत्तराखंड विधानसभा का बजट सत्र इस बार कई मायनों में ऐतिहासिक साबित हुआ। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में आयोजित यह सत्र राज्य सरकार की उपलब्धियों और नीतियों का साफ प्रतिबिंब बना। धामी सरकार के दूसरे कार्यकाल के चार साल पूरे होने के दौरान चले सत्र में मुख्यमंत्री ने काफी मुखर और आक्रामक अंदाज में सदन को संबोधित किया। 9 मार्च से शुरू हुए इस पांच दिवसीय बजट सत्र की कार्यवाही कुल 41 घंटे 10 मिनट तक चली, जो गैरसैंण में अब तक का सबसे लंबा विधानसभा सत्र माना जा रहा है।

दिल्ली के नेचर बाजार में अग्नितांडव

40 दुकानें जलकर हुआ स्वाहा,सुबह-सुबह आसमान में छाया धुएं का खौफनाक मंजर

नई दिल्ली। रविवार की सुबह दक्षिण दिल्ली का एक लोकप्रिय बाजार अचानक धू-धू कर जल उठा। अंधेरिया मोड़ के पास स्थित 'नेचर बाजार' में लगी इस भीषण आग ने देखते ही देखते खुशियों और व्यापार के सपनों को राख में तब्दील कर दिया। आसमान में काले धुएं का ऐसा गुबार उठा कि कई किलोमीटर दूर से ही इसे देखकर लोग सिहर उठे। यह सिर्फ दुकानों का जलना नहीं था, बल्कि उन दर्जनों हस्तशिल्पकारों के रोजगार पर आई एक बड़ी आपदा थी, जिन्होंने अपनी मेहनत से इस

बाजार को एक विशेष पहचान दी थी। दिल्ली अग्निशमन विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार, आग लगने की पहली सूचना रविवार सुबह ठीक 7:37 बजे प्राप्त हुई। लाडो सराय और अंधेरिया मोड़ के बीच स्थित यह नेचर बाजार अपनी अस्थायी और अर्ध-स्थायी दुकानों के लिए जाना जाता है। चूंकि दुकानें लकड़ी, कपड़े और अन्य ज्वलनशील हस्तशिल्प सामग्री से बनी थीं, इसलिए आग ने बहुत तेजी से विकराल रूप धारण कर लिया। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो कुछ ही मिनटों में आग एक दुकान से दूसरी दुकान तक फैलती चली गई। बाजार परिसर से उठते धुएं के विशाल गुबार ने इलाके में हड़कंप मचा दिया और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। जैसे ही सूचना मिली, दिल्ली अग्निशमन सेवा की टीम बिना किसी देरी के घटनास्थल पर पहुंची। आग की गंभीरता को देखते हुए एक के बाद एक कुल 10 दमकल गाड़ियों को मोर्चे पर लगाया गया।

एम्स में इच्छामृत्यु की प्रक्रिया शुरू

हरीश के दो लाइफ सपोर्ट के प्रमुख पाइप हटाए गए....विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम लगातार उनकी हालत पर नजर बनाए हुए

नई दिल्ली। देश में पहली बार इच्छामृत्यु की प्रक्रिया के तहत एम्स में भर्ती हरीश राणा के लाइफसपोर्ट सिस्टम को धीरे-धीरे हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सूत्रों के अनुसार, एम्स के इंस्टीट्यूट रोटरी कैंसर अस्पताल की पैलिएटिव केयर यूनिट में भर्ती हरीश राणा के लाइफसपोर्ट से जुड़े दो प्रमुख पाइप हटा दिए गए हैं। जानकारी के मुताबिक, डॉक्टरों की निगरानी में यह प्रक्रिया बेहद सावधानी के साथ चरणबद्ध तरीके से की जा रही है। विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम लगातार उनकी हालत पर नजर बनाए हुए है। बताया जा रहा है कि यह पूरी प्रक्रिया मेडिकल प्रोटोकॉल और कानूनी दिशा-निर्देशों के तहत ही आगे बढ़ाई जा रही है। सूत्रों का कहना है कि लाइफसपोर्ट के कुछ उपकरण हटाए जाने के बाद अब आगे की स्थिति हरीश राणा के शरीर की प्रतिक्रिया और चिकित्सकीय स्थिति पर निर्भर करेगी। डॉक्टरों का मानना है कि निष्क्रिय इच्छामृत्यु की यह प्रक्रिया जल्द ही पूरी हो सकती है, हालांकि इसके लिए कोई निश्चित समयसीमा तय नहीं की गई है। गौरतलब है कि निष्क्रिय इच्छामृत्यु के तहत मरीज को जीवनरक्षक उपकरणों पर कृत्रिम रूप से जिंदा रखने वाली चिकित्सा सहायता धीरे-धीरे हटाई जाती है। सुप्रीम कोर्ट ने

कुछ सख्त शर्तों के साथ इस प्रक्रिया को कानूनी मंजूरी दी हुई है, जिसके तहत मरीज की स्थिति, परिवार की सहमति और मेडिकल बोर्ड की अनुमति अनिवार्य होती है। एम्स में चल रही यह प्रक्रिया देश में निष्क्रिय इच्छामृत्यु के मामलों को लेकर एक महत्वपूर्ण मिसाल के तौर पर देखी जा रही है। अस्पताल प्रशासन और चिकित्सकीय टीम पूरे मामले को संवेदनशीलता और सावधानी के साथ संभाल रही है। गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन की राज एंपायर सोसायटी में रहने वाले हरीश राणा को अंतिम विदाई देने का एक मार्मिक वीडियो सामने आया है। ब्रह्मकुमारी केंद्र के प्रभु मिलन भवन की बहन कुमारी लवली दीदी ने हरीश को उसके घर पहुंचर अंतिम विदाई दी। इस दौरान उन्होंने हरीश की आत्मा की शांति के लिए विशेष ध्यान (मेडिटेशन) भी किया।

16 मार्च को सड़कों पर उतरेंगे लोग

सोनम रिहा लेकिन लद्दाख में नहीं थमेगा प्रदर्शन........

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शनिवार को क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा कानूनके तहत हिरासत से रिहा कर दिया। हालांकि उनकी रिहाई के बावजूद 16 मार्च को पूरे लद्दाख में प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन अपने तय कार्यक्रम के अनुसार ही होंगे। 13 मार्च को कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस ने घोषणा की थी कि लद्दाख के लोग फ्रि सड़कों पर उतरेंगे, क्योंकि गृह मंत्रालय द्वारा केंद्र शासित प्रदेश की मांगों पर कोई ठोस फैसला नहीं लिया जा रहा है। लद्दाख में सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले दो

प्रमुख समूह केडीए और एपेक्स बॉडी लेह केंद्र सरकार के साथ बातचीत कर रहे हैं। यह वार्ता गृह मंत्रालय की ओर से गठित एक हाई पावर कमेटी के तहत हो रही है। शनिवार को केडीए के सदस्य सज्जाद कारगिली ने कहा कि लद्दाख जिन संवैधानिक गारंटियों की मांग कर रहा है।

एनक्यूएएस राष्ट्रीय टीम द्वारा होगा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेडवन का मूल्यांकन

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

एनक्यूएएस (राष्ट्रीय गुणवत्ता एश्योरेंस मानक) दल द्वारा स्वास्थ्य केन्द्रों में दी जाने वाली सेवाओं और सुविधाओं का राष्ट्रीय स्तर के मानक का मूल्यांकन किया जाता है। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के जिले मे पदभार ग्रहण करते ही जिले के स्वास्थ्य केन्द्रों को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उन्नयन करने के निर्देश दिए हैं । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एफ आर निराला ने लगातार पिछ्ले कुछ महीने से जिले के स्वास्थ्य केन्द्रों में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों को एनक्यूएएस अनुरूप प्रशिक्षण आयोजित कर तैयारी कराएं हैं। जिला सलाहकार कृष्ण पुरी गोस्वामी के निगरानी में जिले के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों का एनक्यूएएस अनुरूप उन्नयन का कार्य चल रहा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेडवन का कार्य पूर्ण होने पर एनक्यूएएस मूल्यांकन हेतु ऑनलाइन आवेदन किया गया। स्वास्थ्य मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा नामित राष्ट्रीय मूल्यांकन कर्ता डॉ अजय सिंह एवं डॉ अंजु गोपे प्रधान के द्वारा 16 और 17 मार्च को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेडवन का भ्रमण किया जाना है। ओपीडी,आईपीडी प्रसव कक्ष, लैबोरेट्री, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम तथा सामान्य प्रशासन जैसे अहम शाखाओं का मूल्यांकन किया जाना है। मूल्यांकन के दौरान इन शाखाओं से संबंधित रजिस्टर्ड एवं रिकॉर्ड की जांच की जायेगी एवं कार्यक्रमों से संबंधित शाखा के अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ भर्ती मरीजों का इंटरव्यू लेकर भी स्वास्थ्य सेवाओं में दी जाने वाली गुणवत्ताओं का मूल्यांकन किया जाएगा। मूल्यांकन के द्वारा हर्बल गार्डन, बीएमडब्ल्यू, फायर सेफ्टी, स्टोर रूम, जननी सुरक्षा योजना, मरीजों की परिवहन, मरीजों को दी जाने वाली पोषण आहार, पेयजल स्त्रोत, आईपीडी में भर्ती मरीजों के लिए बेड एवं बेडशीट, उनकी स्वच्छता, अलग-अलग दिवसों के लिए अलग-अलग रंगों की बेडशीट, प्रयोगशाला में की जाने वाली विभिन्न प्रकार की जांच एवं परीक्षण, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में टीबी, कुष्ठ, नेत्र, मलेरिया, फाइलेरिया, एनसीडी , दंत, कान नाक गला इत्यादि कार्यक्रमों से संबंधित प्रश्नों के साथ-साथ उनके रिकॉर्ड का भी अवलोकन कर मूल्यांकन टीम द्वारा गोपनीय प्रतिवेदन भारत सरकार को प्रस्तुत किया जाएगा।

अपहरण कर नाबालिग से दुष्कर्म करने वाला आरोपी यूपी से गिरफ्तार, कांकेर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर :-कांकेर नाबालिग बालिका का अपहरण कर उसके साथ अनाचार करने वाले आरोपी को सिटी कोतवाली पुलिस ने उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट और बीएनएस की गंभीर धाराओं के तहत कार्रवाई कर उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, 6 मार्च 2026 की रात एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी निखिल राखेचा के निर्देशन में एक विशेष टीम गठित की गई। साइबर सेल की मदद से सुराग जुटाते हुए पुलिस टीम उत्तर प्रदेश के नारायणी पहुंची, जहाँ से आरोपी को घेराबंदी कर पकड़ा गया और बालिका को सुरक्षित बरामद किया गया। धमतरी का रहने वाला है आरोपी पकड़ा गया आरोपी पुनेश्वर नेताम (21 वर्ष), धमतरी जिले के ग्राम पालवाड़ी (थाना दुकली) का निवासी है। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी प्रतीक बनसोडे, महिला प्रधान आरक्षक किरण परिहार और साइबर सेल की टीम की मुख्य भूमिका रही।

पुलिस की अपीलः कांकेर पुलिस ने जनता से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना हेल्पलाइन नंबर 94791-55125 पर दें, सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी।प्रमुख बिंदु (Highlight Bo& के लिए)वारदातः 6 मार्च को हुआ था नाबालिग का अपहरण।लोकेशनः उत्तर प्रदेश के नारायणी से हुई गिरफ्तारी।धाराएंः 64(1), 65 (1) BNS और 4 पॉक्सो एक्टके तहत केस दर्ज।

मुख्यमंत्री ने किया गोधाम योजना का वर्चुअल शुभारंभ, जिले में भी उत्साह के साथ आयोजित किया गया कार्यक्रम

एमसीबी/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरु घासीदास विश्वविद्यालय कोनी बिलासपुर से गोधाम योजना का वर्चुअल शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्रदेशभर के साथ एमसीबी जिले में भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जनप्रतिनिधियों, गोधाम समिति के पदाधिकारियों तथा प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के माध्यम से पशुधन संरक्षण और गौसेवा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित गोधाम योजना की जानकारी दी गई तथा इसके प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में गोधाम समिति जिला एमसीबी के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह, जिला पंचायत सदस्य उदित नारायण, नगरपालिका परिषद मनेंद्रगढ़ की अध्यक्ष प्रतिमा यादव, जनपद पंचायत अध्यक्ष जानकी बाई कुसरो, गोधाम समिति विकासखंड मनेंद्रगढ़ के अध्यक्ष बुद्ध लाल वेगा तथा लखन श्रीवास्तव सहित गोधाम समिति के जिला एवं विकासखंड स्तर के सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने गोधाम योजना के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे गौवंश संरक्षण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। कार्यक्रम में जिला प्रशासन की ओर से अनुभाग मनेंद्रगढ़ के अनुभागीय अधिकारी राजस्व लिंगराज सिदार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ वैशाली सिंह तथा पशुधन विकास विभाग के अतिरिक्त उपसंचालक डॉ. विजय राज सिंह बघेल भी उपस्थित रहे। इसके साथ ही डॉ. विनीत भारद्वाज, डॉ. कोमल प्रसाद राय, आलोक कुमार वखरे और गगन कुमार निषाद सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी कार्यक्रम में शामिल हुए।

जगतपुर में निःशुल्क आयुष स्वास्थ्य शिविर आयोजित, 58 ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच, आयुर्वेदिक औषधियों का वितरण

कोरिया/मूक पत्रिका

जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. एलवीना ग्रेस टोप्पो के निर्देशानुसार शासकीय आयुर्वेद औषधालय उमझर द्वारा ग्राम जगतपुर में निःशुल्क आयुष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान ग्रामीणों की सामान्य स्वास्थ्य जांच एवं रक्तचाप (बीपी) की जांच की गई। साथ ही मौसमी और सामान्य बीमारियों के उपचार हेतु निःशुल्क आयुर्वेदिक औषधियों का वितरण किया गया। उपस्थित ग्रामीणों को संतुलित आहार, दिनचर्या, ऋतुचर्या और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के संबंध में भी परामर्श दिया गया। आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. जे.एन. मिश्रा, आयुष चिकित्सक डॉ. अंजली, फार्मासिस्ट युवराज सिन्हा, एमपीडब्ल्यू नूपेन्द्र साहू तथा योग सहायक कृष्णा राजवाड़े द्वारा इस स्वास्थ्य शिविर में महत्वपूर्ण भूमिका रही। शिविर में 58 लाभार्थियों ने आयुष सेवाओं का लाभ प्राप्त किया। ग्रामीणों ने शिविर की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन की अपेक्षा व्यक्त की। स्थानीय जनसहयोग से शिविर का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

ड्रोन कैमरों से बेमेतरा में नशे के खिलाफ सघन जांच अभियान

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में अवैध नशे के कारोबार पर रोक लगाने के लिए बेमेतरा पुलिस ने आधुनिक तकनीक का सहारा लेते हुए बड़ा अभियान शुरू किया है। पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन में जिलेभर में ड्रोन कैमरों के माध्यम से बाड़ियों और फार्म हाउसों की सघन जांच की जा रही है। पुलिस द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान में दूरदराज और एकांत इलाकों में स्थित बाड़ियों, फार्म हाउसों तथा अन्य संदिग्ध स्थानों पर विशेष नजर रखी जा रही है, ताकि इन स्थानों का उपयोग अवैध मादक पदार्थों के उत्पादन या भंडारण के लिए न किया जा सके। अभियान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव, डीएसपी राजेश कुमार झा, एसडीओपी बेरला विनय कुमार, एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का, डीएसपी श्रीमती कौशिल्या साहू और डीएसपी श्रीमती शशिकला उईके के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। पुलिस टीमों ने ड्रोन कैमरों की मदद से जिले के विभिन्न थाना और चौकी क्षेत्रों में स्थित बाड़ियों और फार्म हाउसों की जांच की। इसके साथ ही घुमंतु लोगों, अस्थायी रूप से डेरा डालकर रहने वालों, ठेला और गुमटी लगाने वाले व्यापारियों, कपड़ा फेरी करने वालों तथा ईंट भट्ठों में काम करने वाले मजदूरों और ठेकेदारों की भी जानकारी जुटाई गई।इसके अलावा किराये के मकानों में रहने वाले बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन किया गया तथा फैक्ट्रियों और वहां कार्यरत मजदूरों एवं ठेकेदारों की भी जांच की गई। पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू ने जिले के सभी थाना और चौकी प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित रूप से ड्रोन कैमरों के माध्यम से निगरानी रखें, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि का समय रहते पता लगाया जा सके और आवश्यक कार्रवाई की जा सके। बेमेतरा पुलिस ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि यदि आसपास किसी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दें, ताकि जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जा सके।

झेरिया यादव समाज रायपुर जिला का होली मिलन, भवन उद्धाटन व अधिवेशन समारोह 15 मार्च आज

तिल्दा नेवरा/मूक पत्रिका

छ.ग. झेरिया यादव समाज जिला रायपुर व अभनपुर परिक्षेत्र के तत्वाधान मे होली मिलन, सामाजिक भवन उद्धाटन व वार्षिक अधिवेशन समारोह का आयोजन नवा रायपुर के ग्राम तुला (माचा) में 15 मार्च दिन रविवार को मळाजे से रखा गया है इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रायपुर सांसद माननीय बृजमोहन अग्रवाल, विशिष्ठ अतिथि अभनपुर के विधायक इंद्रकुमार साव, जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन कुमार अग्रवाल और अध्यक्षला सेरिया यादव समाज के जिलाध्यक्ष रामलाल यादव हम अर्थक्रम में आसपास के सरपंच जनपद को भी आमंत्रित किया गय्य इस आयोजन के लिये अभनपुर परिक्षेत्र के यादव बंधु जोर शोर से तैयारी कर रहे है रायपुर जिला ने यह आयोजन बहुत ही बढ़िया होने वाला है व्योकि राम्पुर जिला के 8 परिक्षेत्र के अध्यक्षों ने नी कार्यक्रम में अपनी सहभागिता की मंजूरी दे दी है अकल कार्यक्रम की जानकारी सुंदर यादव प्रदेश सचिव रामलाल यादव जिलाध्यक्ष रायपुर,प्यारे लाल यादव युवा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष रायपुर, प्रदीप यादव उपाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ ने संयुक्त रुप से दिय।

52 पशुपालक ने 304 पशु पक्षी का किया प्रदर्शन, प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार से किया गया पशुपालकों का सम्मान

ग्राम पेंवरा में जिला स्तरीय पशु मेला शिविर प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता संपन्न

सारंगढ़ बिलाईगढ/मूक पत्रिका

पशुधन विकास विभाग द्वारा नेशनल लाइव स्टॉक मिशन अंतर्गत जिला स्तरीय पशु पक्षी प्रदर्शनी एवं मेला का आयोजन बरमकेला विकासखंड के ग्राम पंचायत अमेरी के आश्रित ग्राम पेंवरा में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अजय नायक उपाध्यक्ष जिला पंचायत, अध्यक्षता डॉ अभिलाषा कैलाश नायक, ग्राम पंचायत सरपंच कांतीबाई चौधरी, उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवा डॉ महेंद्र कुमार पांडेय, डॉ नरेश खूंटे, पशुधन किसान गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। जिला स्तरीय पशु पक्षी प्रदर्शनी एवं मेला में 52 पशुपालकों द्वारा रुचि ली गई। बकरा वर्ग में 8 पशुपालक द्वारा 51 पशु, भेड़ वर्ग में 8 पशुपालक द्वारा 174, संकर बछिया उन्नत 11 पशुपालक द्वारा 11, दुधारू गाय पशुपालक वर्ग में 8 पशुपालक द्वारा 15, बैल जोड़ी, भैंस वर्ग में 3 पशुपालक द्वारा 6, कुक्कुट वर्ग में 10 पशुपालक द्वारा 20 , स्वस्थ बछड़ा वर्ग में 3 पशुपालक द्वारा 3, विशेष वर्ग श्वान में 1 पशुपालक द्वारा 1 एक ही पशु है। कुल 52 पशुपालक में 304 पशु जिसमें श्रेणीवार को प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार पशुपालकों को प्रदाय किया गया। मेला में पशुपालकों को चारा प्रसंस्करण जैसे पैरा का यूरीया उपचार, साइलेज निर्माण एवम अजोला उत्पादन, का स्टॉल के माध्यम से बताया गया। मेला में पशु चिकित्सा एवं उपचार शिविर का भी आयोजन किया गया उपस्थित पशुपालकों को पशुधन हेतु किसान क्रेडिट कार्ड व विभागीय योजनाओं से अवगत कराया गया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले पशुपालकों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र मुख्य अतिथि अजय नायक, डॉ. अभिलाषा कैलाश नायक और डॉ महेन्द्र कुमार पांडे उपसंचालक पशु चिकित्सालय के करकमलों से प्रदान किए गए। अन्य प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अजय नायक ने पशुपालकों को डेयरी व्यवसाय को अपनाने और अतिरिक्त आय का स्त्रोत बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। इस प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार सामग्री के रूप में प्रदान किया गया।। पशु मेला में राजकिशोर पटेल मंडल अध्यक्ष, दीपमाला जांगड़े, मधु श्रीवास पशुधन विकास विभाग डॉक्टरो में वाय के रात्रे, डॉ सुनील कुमार जोल्हे, नरेश खूंटे, डॉ भारती पटेल, मो शाहिद कुरैशी, रविंद्र कुर्रे, डॉ ममता साहू, डॉ योगेश कुमार चौधरी, मोरध्वज सिदार,, शिवकुमार सिदार, डॉ अजय कुमार खोल्खो, मयंक, आकाश, शुभम्, परमेश्वर, लीलाधर, श्वेता,अंजू, स्वरूपानंद, तिलोचन, अमन, हीरालाल, ध्वजाराम, हेमंत राम ठाकुर, रामकुमार गबेल, सुरज, सेवाराम सहित सभी सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी, पशु परिचारक एवं अन्य इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

स्नस्स्द्ध नियमों में बड़े सुधार से छोटे खाद्य व्यापारियों को बड़ी राहत-कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट)

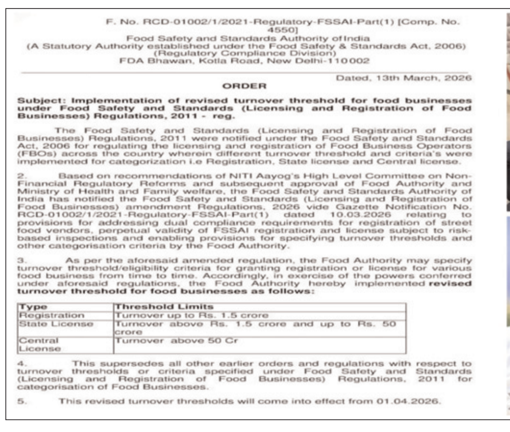

F. No. RCD-01002/1/2021-Regulatory-FSSAI-Part(1) [Comp. No. 4550]
Food Safety and Standards Authority of India
(A Statutory Authority established under the Food Safety & Standards Act, 2006)
(Regulatory Compliance Division)
FDA Bhawan, Kotla Road, New Delhi-110002

Dated, 13th March, 2026

ORDER

Subject: Implementation of revised turnover threshold for food businesses under Food Safety and Standards (Licensing and Registration of Food Businesses) Regulations, 2011 - reg.

The Food Safety and Standards (Licensing and Registration of Food Businesses) Regulations, 2011 were notified under the Food Safety and Standards Act, 2006 for regulating the licensing and registration of Food Business Operators (FBOs) across the country wherein different turnover threshold and criteria's were implemented for categorization i.e Registration, State license and Central license.

2. Based on recommendations of NITI Aayog's High Level Committee on Non-Financial Regulatory Reforms and subsequent approval of Food Authority and Ministry of Health and Family welfare, the Food Safety and Standards Authority of India has notified the Food Safety and Standards (Licensing and Registration of Food Businesses) amendment Regulations, 2026 vide Gazette Notification No. RCD-01002/1/2021-Regulatory-FSSAI-Part(1) dated 10.03.2026 relating to provisions for addressing dual compliance requirements for registration of street food vendors, perpetual validity of FSSAI registration and license subject to risk-based inspections and enabling provisions for specifying turnover thresholds and other categorisation criteria by the Food Authority.

3. As per the aforesaid amended regulation, the Food Authority may specify turnover threshold/eligibility criteria for granting registration or license for various food business from time to time. Accordingly, in exercise of the powers conferred under aforesaid regulations, the Food Authority hereby implemented **revised turnover threshold for food businesses as follows:**

Type	Threshold Limits
Registration	Turnover up to Rs. 1.5 crore
State License	Turnover above Rs. 1.5 crore and up to Rs. 50 crore
Central License	Turnover above 50 Cr

4. This supersedes all other earlier orders and regulations with respect to turnover thresholds or criteria specified under Food Safety and Standards (Licensing and Registration of Food Businesses) Regulations, 2011 for categorisation of Food Businesses.

5. This revised turnover thresholds will come into effect from 01.04.2026.

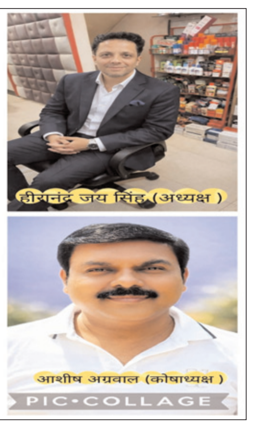

बिलासपुर/मूक पत्रिका

राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य व कैट वाईस चेयरमैन अमर पारवानी ,कैट राष्ट्रीय सचिव राजू सलूजा , राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जितेंद्र गांधी, बिलासपुर जिला अध्यक्ष हीरानंद जयसिंह कोषाध्यक्ष आशीष अग्रवाल महामंत्री अनिल राघवानी, परमजीत उबेजा ने बताया कि देशभर के व्यापारियों द्वारा समय-समय पर उठाए गए मुद्दों और उनके समाधान के लिए किए गए सतत प्रयासों का एक महत्वपूर्ण परिणाम हाल ही में खाद्य व्यवसायों से संबंधित नियमों में किए गए व्यापक सुधारों के रूप में सामने आया है। इस संबंध में राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य श्री अमर पारवानी ने कहा कि स्नशश्स्न Safety and Standards Authority of India (FSSAI) द्वारा जारी हालिया अधिसूचनाओं के माध्यम से खाद्य व्यापारियों को बड़ी राहत प्रदान की गई है। बिलासपुर कैट अध्यक्ष हीरानंद जयसिंह कोषाध्यक्ष आशीष ने बताया कि कैट व राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के समक्ष देशभर के व्यापारियों ने समय-समय पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठकों एवं बोर्ड मीटिंग्स के माध्यम से FSSAI लाइसेंस से जुड़ी जटिलताओं, अनुपालन प्रक्रियाओं तथा व्यावहारिक समस्याओं को उठाया था। इन सुझावों और मांगों को व्यवस्थित रूप से संबंधित मंत्रालयों तक पहुँचाया गया, जिसके परिणाम स्वरूप भारत सरकार द्वारा नियमों को अधिक सरल एवं व्यापार-अनुकूल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। हीरानंद जयसिंह ने कहा कि नए प्रावधानों के अनुसार 1 अप्रैल 2026 से मूल पंजीकरण के लिए वार्षिक कारोबार की सीमा ?12 लाख से बढ़ाकर 1.5 करोड़ कर दी गई है। इस निर्णय से देशभर के सूक्ष्म एवं लघु खाद्य व्यवसायों को अनुपालन के बोझ से बड़ी राहत मिलेगी तथा छोटे व्यापारियों के लिए व्यवसाय करना अधिक सरल होगा। हीरानंद जयसिंह ने आगे बताया कि नगर निकायों में पंजीकृत स्ट्रीट वेंडर्स को अब FSSAI के अंतर्गत स्वतः पंजीकृत माना जाएगा, जिससे विभिन्न विभागों में अलग-अलग पंजीकरण कराने की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी। इस निर्णय से देश के 10 लाख से अधिक स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने यह भी बताया कि स्नस्स्द्ध लाइसेंस को स्थायी वैधता (Perpetual Validity) प्रदान करने का प्रावधान भी किया गया है, जिससे बार-बार लाइसेंस नवीनीकरण की जटिल प्रक्रिया समाप्त होगी और नियामकीय व्यवस्था का ध्यान खाद्य सुरक्षा निगरानी तथा जोखिम-आधारित निरीक्षण प्रणाली पर अधिक केंद्रित किया जा सकेगा। इन महत्वपूर्ण सुधारों के लिए कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स बिलासपुर ईकाई के पदाधिकारियों ने भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय व्यापारी समुदाय के हितों की रक्षा करने के साथ-साथ देश के खाद्य व्यापार को अधिक संगठित, सुरक्षित और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा। उन्होंने व्यापारी समुदाय को भी इस सकारात्मक पहल के लिए बधाई दी।

बरमकेला बुदेली में 'श्री राम आरोग्यम' की शुरुआत, योग, फिजियोथेरेपी और लेजर तकनीक से इलाज, बुदेली में नई स्वास्थ्य सुविधा

योग, फिजियोथेरेपी और आधुनिक लेजर मशीन से स्किन व दर्द से जुड़ी समस्याओं का उपचार

सारंगढ़ /मूक पत्रिका

सारंगढ़ बिलाईगढ़ अन्तर्गत बरमकेला ब्लॉक के बुदेली में लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'श्री राम आरोग्यम ङ्क योगा वेलनेस एंड पेन मैनेजमेंट सेंटर' की शुरुआत की गई है। यहां वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति और आधुनिक तकनीक के माध्यम से विभिन्न प्रकार की बीमारियों के उपचार की सुविधा दी जा रही है।

केंद्र के संचालक डॉ. रविन्द्र डनसेना ने बताया कि यहां एक्यूप्रेशर, फिजियोथेरेपी, कपिंग थैरेपी, नाड़ी चिकित्सा और योग पद्धति से उपचार किया जाता है। उनके अनुसार कई प्रकार के दर्द और पुरानी बीमारियों का इलाज बिना ऑपरेशन के संभव है। केंद्र में साइटिका, घुटना दर्द, स्पॉन्डिलाइटिस, कमर दर्द, कंधे का दर्द, माइग्रेन, मांसपेशियों का दर्द, मोटापा, कब्ज, गैस, त्वचा रोग और मानसिक रोग जैसी समस्याओं का उपचार किया जाता है। इसके साथ ही महिलाओं से संबंधित कुछ जटिल रोगों के उपचार की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। वहीं यहां 3 इन 1 लेजर मशीन के जरिए त्वचा से जुड़ी समस्याओं का इलाज भी किया जा रहा है। इसके माध्यम से चेहरे के दाग-धब्बे, पिगमेंटेशन, मुंहासे, टैटू हटाने, अनचाहे बालों को हटाने और अन्य स्किन ट्रीटमेंट किए जाते हैं। जिससे क्षेत्र मे अच्छा स्वास्थ्य लाभ मिल रहा है और प्रदेश के साथ साथ अन्य प्रदेशो से भी लोग यहां आकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं. अगर आप भी परेशान हैं तो यहां जरूर आए केंद्र सोहेला रोड, पेट्रोल पंप के सामने, बुदेली (बरमकेला) में स्थित है। अधिक जानकारी के लिए मरीज 9933530333, 8103050110 नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

छिंन्दगांव में श्री रामनवमी उत्सव की तैयारी को लेकर बैठक आयोजित

बकावंड/मूक पत्रिका

बकावंड ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम पंचायत छिंन्दगांव स्थित श्री मंदिर परिसर में आगामी रामनवमी उत्सव की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में गांव के वरिष्ठजन, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। बैठक में आगामी 26 मार्च को भगवान श्रीराम जन्मोत्सव रामनवमी को भव्य और धार्मिक वातावरण में मनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान सर्वसम्मति से समिति का पुनर्गठन करते हुए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई। समिति के सदस्यों ने इस वर्ष रामनवमी उत्सव को पहले से अधिक भव्य और आकर्षक रूप में आयोजित करने का संकल्प लिया। साथ ही पूरे गांव को भगवामय सजाने तथा धार्मिक कार्यक्रमों के माध्यम से उत्सव को यादगार बनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में उपस्थित ग्रामीणों ने उत्सव की तैयारियों में बढ़-चढ़कर सहयोग करने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर भरत बघेल, शिवदास कोटवार, मिथलेश गुप्ता, कमल बघेल, रामसिंग नेताम, सोनसिंग, पवन कुमार नाग (संभागीय ब्यूरो चीफ मुक पत्रिका), धनंजय गुप्ता, मोदिया नायक, संदीप गुप्ता, नरसिंग बघेल सहित गांव के अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

हिरासत में की गई मारपीट में रमेश चौहान के मृत्यु पर हत्या के मामला दर्ज हो ... बाघे

सारंगढ़/मूक पत्रिका

खरसिया थाना हिरासत में की गई मारपीट के कारण रमेश चौहान की हुई मृत्यु बेहद दुखद और निंदनीय है।

यह सिर्फ एक मौत नहीं बल्कि न्याय व्यवस्था पर सवाल खड़ा करने वाली घटना है। सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला के चौहान गांडा समाज के कार्यकारी जिला अध्यक्ष गोपाल बाघे ने कहा कि इस मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ तुरंत हत्या का मामला दर्ज किया जाए और निष्पक्ष जांच कर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिया जाये। ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। वही प्रशासन ने सिर्फ दोषियों को बचाने में लगा हुआ है। हिरासत में पुलिस कर्मी द्वारा रमेश चौहान को बेवजह गुंडागर्दी कर मारा पीटा जाता है और उनकी हत्या हो जाती है। छत्तीसगढ़ सरकार व पुलिस प्रशासन को तिनका भी दुख नही है। दोषी पुलिस कर्मी खुलेआम बाहर घूम रहा है। यह कहा कि न्याय है। पुलिस प्रशासन बताये रमेश चौहान के विरोध क्या धाराएं लगाए गए थे जिसके कारण उनको पुलिस थाना में लेकर उनके साथ मारपीट किया गया भारत के सविधान में पुलिस को मारपीट करने की अधिकार किसने दिया है। यह एक अनुसूचित जाति वर्ग के होने के कारण इस मामले को दबाया जा रहा है। गोपाल बाघे ने कहा कि प्रदेश में मानवाधिकार की हनन हो रही है। छत्तीसगढ़ सरकार पुलिस की वर्दी से गुंडागर्दी करवा रही है। और उनके विरुद्ध कार्यवाही करने की अपेक्षा संरक्षक दे रही है।सरकार दोषि पुलिसकर्मियों के विरोध तत्काल हत्या का मामला दर्ज करें ताकि अनुसूचित जाति के रमेश चौहान को न्याय मिल सके। उनके परिजनों को कलेक्टर दर पर नॉकरी व चंद मुआवजा देने की बात कर मामला को दबाया जाना कहा कि न्याय है।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा से मुद्रिका राय को विशेष आमंत्रित सदस्य का कमान मिला

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

भारतीय जनता पार्टी ने सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में अनूसूचित जाति मोर्चा की घोषणा कर दी है। छत्तीसगढ़ भाजपा प्रदेशअध्यक्ष किरण सिंह देव और प्रदेश महामंत्री (सगंठन) पवन साय की मंजूरी से 125 पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है। आलाकमान व अनूसूचित जाति मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष सनम जांगडे के नेतृत्व में गठित नई टीम में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष,विशेष आमंत्रित सदस्य,सदस्य व अन्य पदो के लिए 125 पदो की नियुक्त किए गए हैं। इनमें अध्यक्ष देवेंद्र रात्रे, उपाध्यक्ष लेख सिंह रात्रे, उपाध्यक्ष मीराधरम जोल्हे, उपाध्यक्ष गोविंदा लहरें, उपाध्यक्ष रामाधर चौहान, उपाध्यक्ष संजय चौहान, महामंत्री टाईगर कुर्रे ,महामंत्री सुदर्शन चौहान ,विशेष आमंत्रित सदस्य के लिए मुद्रिका राय को सरसीवां से जिम्मेदारी मिला हैं। मुद्रिका राय ने कहा,भारतीय जनता पार्टी व आलाकमानों ने जो मुझे नई जिम्मेदारी दी है।उसका में कर्तव्य पूर्वक पालन करूंगा,प्रदेश संगठन, जिला संगठन, व सरसीवां मंडल के सभी पदाधिकारीयों का सहृदय धन्यवाद् आभार ब्यक्त करता हूं।

आरटीई के तहत बच्चों के निःशुल्क शिक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन 31 मार्च तक, जरूरतमंद और पात्र छात्रों को नर्सरी से बारहवीं तक मिलेगा निःशुल्क शिक्षां

प्राइवेट स्कूलों के कक्षाओं में 25% सीट आरक्षित

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

शिक्षा का अधिकार (आरटीई) के तहत छत्तीसगढ़ के सभी गैर अनुदान प्राप्त और गैर अल्पसंख्यक प्राइवेट स्कूलों के प्रारंभिक कक्षाओं में 25त्न सीट दुर्बल और असुविधाग्रस्त परिवार के बच्चों के लिए आरक्षित होता है। जरूरतमंद और पात्र छात्रों को नर्सरी से क्लास - बारहवीं तक निःशुल्क शिक्षा दिया जाता है इसके लिए ऑनलाइन आवेदन 31 मार्च 2026 तक जमा किये जा सकते है, जिसका वेबसाईट आरटीई डॉट सीजी डॉट एन आई सी डॉट इन httpsÑ//rte.cg.nic.in/ है। इस अधिनियम के तहत 3 से 6ड्ड वर्ष तक के बच्चे किसी भी प्राइवेट स्कूल के प्रारंभिक कक्षा मे प्रवेश ले सकते है। आवेदन पत्र ऑनलाइन भरने के लिए पासपोर्ट फेटो, आधार कार्ड, जाति, निवास जैसे कई दस्तावेज पालक की होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि भारतीय संसद द्वारा 4 अगस्त 2009 को पारित किया गया था तथा 1 अप्रैल 2010 से प्रभावी हुआ। छत्तीसगढ़ मे आरटीई 12(1)(सी) योजना का लाभ सत्र 2010-11 से दिया जा रहा है। पूर्व मे अधिनियम का लाभ कक्षा ङ्क आठवीं तक ही दिया जाता था, परन्तु अब इसमे (छ. ग. राज्य स्तर पर) संसोधन कर सत्र 2019 मे इसकी मान्यता बढ़ाकर क्लास ङ्क बारहवीं तक कर दी गयी है। अब तक छत्तीसगढ़ मे लगभग 2.9 लाख छात्र इस योजना का लाभ ले रहे है। इसका मुख्य उदेश्य समाज मे सभी वर्ग के लोगो के मध्य सामाजिक समावेशन अर्थात सामाजिक समानता लाना, और सभी समूहों को मूल्यवान और महत्वपूर्ण महसूस करना है, ताकि विभिन्न प्रकार से किए जाने वाले भेदभव को हटाया जा सके।

दहिदा के नावापारा गांव में ग्रामीण के घर में लगी भीषण आग घरेलू सामान जलकर खाक

सारंगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले में आगजनी की घटना सामने आई है ग्राम पंचायत दहिदा के आश्रित गांव नावापारा निवासी छाया लाल माली,पिता टेंगनू माली,के घर मे कल दिनांक 13 मार्च 2026 के करीबन 11 बजे के आस पास अचानक भीषण आग लग गई घटना में घर में रखा लाखों का सामान जलकर राख हों गई घर मे आग उस वाक़्त लगी जब घर मे कोई नहीं थे सब दूसरे गांव गए हुए थे । घर मे अकेला उसके बेटा था जो खेत गया हुआ था ।आग की लपटें उठती देख आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से आग को बुझाने का प्रयास किया गया ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद भी भुजा नहीं पाए घटना में घर में रखा लाखों का सामान जलकर राख हों गई आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाई है घर में आग की शुरुआत कहां से हुई इसकी जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है लेकिन आग एका-एक पूरे घर में फैल गईजिसे बुझाने के लिए कड़ी मशक्कत करना पड़ा है घर में लगी इस आग ने विकराल रूप ले लिया घर में रखा अनाज, कपड़े, बिस्तर और अन्य घरेलू सामान पूरी तरह नष्ट हो गया घटना की जानकारी संबंधित विभागों को भी इससे अवगत कराया गया ताकि पीड़ित परिवार को शासन से आर्थिक सहायता मिल सके।

जिला स्तरीय नारी सशक्तिकरण एवं पत्रकार सम्मान समारोह सम्पन्न

ग्राम परसाडीह में पूर्व सांसद मिनीमाता की प्रतिमा का हुआ अनावरण, सादगी से मनाई गई मिनीमाता जी की जयंती

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

विधानसभा बिलाईगढ़ के ऐतिहासिक गांव परसाडीह में अविभाजित मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ की प्रथम महिला सांसद ममतामयी मिनीमाता जी की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे लोगों का विविध विधा में सम्मान किया गया। सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला का परसाडीह ऐतिहासिक गांव है, पूरे जिले के एकमात्र मिनीमाता की प्रतिमा यहां स्थापित किया गया, जहां प्रथम बार जिला स्तरीय नारी सशक्तिकरण एवं पत्रकार सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सारंगढ़ जनपद सदस्य हिरा भैरव नाथ जाटवर उनके साथ सामाजिक कार्यकर्ता हिरा देवी निराला, साहित्यकार डॉ गौतम पटेल और डॉ. पुष्पा बरिहा ने ममतामयी मिनीमाता के प्रतिमा पर पुष्प मालार्पण कर उन्हें नमन किया, वहीं सम्मान समारोह आयोजक परिवार सुघर गांव के संपादक श्रवण कुमार घृतलहरे ने कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों का स्वागत अभिनंदन किया। कार्यकम में प्रमुख रूप से संत रामदास लहरे कनकपुर, संत देवदास टंडन, सामाजिक कार्यकर्ता जनपद सदस्य प्रतिनिधि भैरव नाथ जाटवर, पितर लहरे, प्रांजल निराला, सरोजा लहरे, करुणा मरावी, तिजेंद्र कुमार लहरे , शंभू राव, बिलाईगढ़ क्षेत्र के पत्रकार डॉ दरसराम टंडन, राजकुमार जांगड़े, रूपेश श्रीवास, सुंदर लाल घृतलहरे सलाहकार संपादक सुघर गांव, साहित्यकार, पत्रकार लक्ष्मीनारायण लहरे आयोजक परिवार तथा सतनाम सत्संग समिति के पदाधिकारी गण श्याम लाल टंडन,नीलकुमार मतवाले, इच्छा प्रसाद टंडन,भीख राम खूंटे, महेंद्र जायसवाल, शंकर लहरे, सुनील कुमार, नरेंद्र कुमार कुर्रे सहित, कवि शशि भूषण स्नेही, लोकनाथ टांडे, नारी सशक्तिकरण के रूप में महिला स्व सहायता समूह की महिलाएं, जनप्रतिनिधि गण अधिक संख्या में विशेष रूप से मौजूद रहे।

ऐतिहासिक गांव है परसाडीह

वही भारत के सर्वोच्च सदन लोकसभा में अंतरिम संसद रहे बाबा साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर के समकालीन भारतीय संविधान निर्माण कमेटी में सदस्य रहे रेशम लाल जांगड़े वही उनके छोटे भाई डॉ.भूषण लाल जांगड़े राज्यसभा सदस्य रहे यही नहीं उनके बड़े भाई मूलचंद जांगड़े 03 बार विधायक रहे जिनको सतनामी समाज के पत्रकारिता के पितामह के रूप में जानते हैं, रेशमलाल जांगड़े स्वतंत्रता सेनानी समाज के वरिष्ठ अधिवक्ता वक्त समाज सुधारक भी रहे। यह गांव ऐतिहासिक गांव है।

संपादकीय

बालेंद्र शाह की जीत से नेपाल की राजनीति में नया अध्याय शुरु

नेपाल में हुए चुनाव के नतीजे आने के बाद देश की राजनीतिक तस्वीर काफी हद तक साफ हो गई है। नई पीढ़ी के अगुआ बने बालेंद्र शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने कई दिग्गजों और पुरानी पार्टियों को भारी शिकस्त दी है। अगर सब कुछ उम्मीद के अनुरूप हुआ और बालेंद्र शाह को ही नेता चुना गया, तो नेपाल के संसदीय इतिहास में वे सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री होंगे। अब तक वहां जितने भी प्रधानमंत्री बने हैं, वे कभी अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सके।माना जा रहा है कि दो-तिहाई सीटों पर जीत के साथ स्पष्ट बहुमत हासिल कर चुकी आरएसपी के नेतृत्व में बनने वाली सरकार अपना पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा करेगी। देश में पिछले दिनों हुए चुनावों में नागरिकों और विशेषकर युवा वर्ग ने इस पार्टी पर जिस तरह भरोसा किया है, उसके मद्देनजर नेपाल में भावी सरकार के सामने जन आकांक्षाओं को पूरा करने की बड़ी चुनौती होगी। वहीं नई सरकार को घरेलू समस्याओं से निपटने के साथ देश के आर्थिक विकास में आए ठहराव को दूर करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। उसे पड़ोसी देशों खासकर भारत से संबंध बेहतर बनाने के भी प्रयास करने होंगे। पुरानी सरकार के कामकाज के जिस तरीके के खिलाफ वहां युवा वर्ग के भीतर व्यापक आक्रोश पैदा हुआ, उसे बदलना सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक होगा। नेपाल के लोगों का मानना है कि राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के नेता बालेंद्र शाह के भीतर देश की राजनीति और नीतियों को बदल सकने की क्षमता है। दरअसल, शाह को महापौर के अपने कार्यकाल में जमीनी स्तर पर सुधार के कई कार्यों के लिए जाना जाता है। चुनावी नतीजों के बाद अब उनसे उम्मीद की जा रही है कि वे भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार करने के साथ व्यवस्था में भी बड़ा बदलाव करेंगे। नई सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती रोजगार सृजन की भी होगी। नेपाल में बेरोजगारी एक बहुत बड़ी समस्या है और बड़ी संख्या में वहां के युवा वर्षों से काम के लिए पलायन करते रहे हैं। बहरहाल, नेपाल में छह महीने पहले व्यवस्था में पारदर्शिता और भ्रष्टाचार के मुद्दे को लेकर नई पीढ़ी के व्यापक आंदोलन से उभरे बालेंद्र शाह और उनकी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी सबकी उम्मीदों पर कितना खरा उतरेंगे, देश को किस तरह की वैकल्पिक राजनीति देंगे, यह देखने की बात होगी। नेपाल ने अपना नेता चुन लिया है। चुनाव परिणामों से साफ है कि बालेन शाह जनता की पहली पसंद हैं। मतलब ये कि बालेन शाह नेपाल के नए प्रधानमंत्री होंगे। बालेन शाह ने चार बार के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को लगभग 50,000 वोटों के भारी अंतर से हराया। सितंबर में युवाओं के नेतृत्व में हुए प्रदर्शनों के बाद ओली की निर्वाचित सरकार के पतन के बाद नेपाल में यह पहला चुनाव था। नेपाल भारत का एक महत्वपूर्ण पड़ोसी देश है। आइए जानते हैं कि बालेन शाह की जीत का नई दिल्ली पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

तंबाकू और निकोटीन की लत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तंबाकू के कारण हर वर्ष लगभग 80 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। इनमें से करीब 70 लाख लोग सीधे धूम्रपान करने वाले होते हैं जबकि लगभग 12 लाख लोग ऐसे होते है, जो स्वयं धूम्रपान नहीं करते लेकिन दूसरों के धुएं के संपर्क में आने के कारण गंभीर बीमारियों का शिकार बन जाते हैं। यह स्थिति बताती है कि धूम्रपान केवल करने वाले व्यक्ति को ही नहीं बल्कि उसके आसपास रहने वाले परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। हाल के वर्षों में देखा गया है कि दुनिया के कई देशों में धूम्रपान करने वालों की संख्या में कमी आई है लेकिन इसके बावजूद चिंता का विषय यह है कि युवाओं और किशोरों में तंबाकू के उपयोग की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है।

धूम्रपान मुक्त पीढ़ी ही है स्वस्थ भविष्य की बुनियाद

(योगेश कुमार गोयल)

वैश्विक रिपोर्टों के अनुसार 13 से 15 वर्ष की आयु के लगभग 3.7 करोड़ बच्चे किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन कर रहे हैं। ई-सिगरेट और अन्य नए निकोटीन उत्पादों ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। आकर्षक पैकेजिंग, फ्लेवर और डिजिटल मार्केटिंग के जरिए इन उत्पादों को युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाने की कोशिश की जा रही है।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है लेकिन दुर्भाग्य से धूम्रपान और तंबाकू की लत इस अमूल्य धन को तेजी से नष्ट कर रही है। हर साल मार्च के दूसरे बुधवार को 'नो स्मोकिंग डे' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को धूम्रपान की आदत छोड़ने के लिए प्रेरित करना और समाज को तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। इस वर्ष यह दिवस 11 मार्च को मनाया जा रहा है। यह एक ऐसा अवसर है, जब लोग अपने जीवन में एक नई शुरुआत कर सकते हैं और धूम्रपान मुक्त जीवन की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। हर वर्ष इस दिन एक विशेष थीम के साथ लोगों को तंबाकू से दूर रहने का संदेश दिया जाता है। इस वर्ष का संदेश है 'धूम्रपान से मुक्त जीवन की शुरुआत एक धूम्रपान-मुक्त दिन से होती है।' इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि कोई व्यक्ति केवल एक दिन भी धूम्रपान से दूरी बना ले तो वह आगे चलकर इसे पूरी तरह छोड़ने की दिशा में पहला कदम उठा सकता है।

तंबाकू और निकोटीन की लत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तंबाकू के कारण हर वर्ष लगभग 80 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। इनमें से करीब 70 लाख लोग सीधे धूम्रपान करने वाले होते हैं जबकि लगभग 12 लाख लोग ऐसे होते है, जो स्वयं धूम्रपान नहीं करते लेकिन दूसरों के धुएं के संपर्क में आने के कारण गंभीर बीमारियों का शिकार बन जाते हैं। यह स्थिति बताती है कि धूम्रपान केवल करने वाले व्यक्ति को ही नहीं बल्कि उसके आसपास रहने वाले परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। हाल के वर्षों में देखा गया है कि दुनिया के कई देशों में धूम्रपान करने वालों की संख्या में कमी आई है लेकिन इसके बावजूद चिंता का विषय यह है कि युवाओं और किशोरों में तंबाकू के उपयोग की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है।

वैश्विक रिपोर्टों के अनुसार 13 से 15 वर्ष की आयु के लगभग 3.7 करोड़ बच्चे किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन कर रहे हैं। ई-सिगरेट और अन्य नए निकोटीन उत्पादों ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। आकर्षक पैकेजिंग, फ्लेवर और डिजिटल मार्केटिंग के जरिए इन उत्पादों को युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाने की कोशिश की जा रही है। विज्ञापन प्रतिबंधों के बावजूद सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से युवाओं को लक्ष्य बनाकर प्रचार किया जाता है। इस कारण किशोरों में तंबाकू की लत तेजी से फैल रही है,

जो भविष्य में गंभीर स्वास्थ्य संकट का रूप ले सकती है। तंबाकू के दुष्प्रभाव केवल कैंसर तक सीमित नहीं हैं। यह शरीर के लगभग हर अंग को नुकसान पहुंचाता है। धूम्रपान फेफड़ों के कैंसर का प्रमुख कारण है और दुनिया में होने वाली फेफड़ों के कैंसर से लगभग 85 प्रतिशत मौतें धूम्रपान के कारण होती हैं। इसके अलावा तंबाकू हृदय रोग, स्ट्रोक, दमा, ब्रोंकाइटिस और कई अन्य श्वसन संबंधी बीमारियों को जन्म देता है। लंबे समय तक तंबाकू का सेवन करने से मुंह, गले, पेट, लीवर और आंतों के कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है।

तंबाकू की समस्या भारत में भी काफी गंभीर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के 25 करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन करते हैं। इनमें अधिकांश पुरुष हैं लेकिन महिलाओं में भी इसका उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। भारत में तंबाकू सेवन के कई रूप प्रचलित हैं, जैसे खैनी, गुटखा, पान मसाला, जर्दा और सुपारी के साथ तंबाकू का सेवन। इन उत्पादों की आसान उपलब्धता और कम कीमत के कारण लोग जल्दी इसकी लत के शिकार हो जाते हैं। विभिन्न शोधों में यह भी सामने आया है कि तंबाकू से होने वाली बीमारियों का इलाज बहुत महंगा होता है। यदि तंबाकू के उपयोग को नियंत्रित नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं पर इसका आर्थिक बोझ बहुत अधिक बढ़ सकता है। मुंह के कैंसर के मामलों में भारत पहले से ही दुनिया के कई देशों से आगे है और इसका मुख्य कारण तंबाकू तथा गुटखे का व्यापक उपयोग है।

धूम्रपान केवल शारीरिक ही नहीं, मानसिक और सामाजिक समस्याओं को भी जन्म देता है। तंबाकू की लत व्यक्ति को धीरे-धीरे निर्भर बना देती है। कई युवाओं में यह लत अवसाद, चिंता और आत्मविश्वास की कमी जैसी मानसिक समस्याओं को भी जन्म देती है। जब किशोरावस्था में यह आदत लग जाती है तो उसे छोड़ना बेहद कठिन हो जाता है और इसका प्रभाव उनके पूरे जीवन पर पड़ता है। धूम्रपान के खतरों को देखते हुए समाज में व्यापक जागरूकता की आवश्यकता है। सरकारों ने तंबाकू नियंत्रण के लिए कई कानून बनाए हैं, सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर प्रतिबंध लगाया है और तंबाकू उत्पादों पर चेतावनी संदेश भी अनिवार्य किए हैं। इसके बावजूद केवल कानून से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। इसके लिए सामाजिक जागरूकता और व्यक्तिगत संकल्प दोनों जरूरी हैं। पत्रकारिता के अपने लंबे अनुभव के दौरान मैंने नशे के दुष्प्रभावों पर व्यापक अध्ययन किया है। वर्ष 1993 में मेरी पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' प्रकाशित हुई थी, जिसमें तंबाकू और अन्य नशों से होने वाले भयानक परिणामों का विस्तार से उल्लेख किया गया था। उस समय भी यह चेतावनी दी गई थी कि यदि समाज ने समय रहते नशे के खिलाफ जागरूकता नहीं बढ़ाई तो इसके दुष्परिणाम आने वाली पीढ़ियों को भुगतने पड़ेंगे। आज तीन दशक बाद भी यह चिंता उतनी ही प्रासंगिक दिखाई देती है।

बहरहाल, नो स्मोकिंग डे हमें याद दिलाता है कि जीवन का हर पल अमूल्य है और इसे किसी भी तरह की लत के कारण बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए। धूम्रपान छोड़ना कठिन अवश्य है लेकिन असंभव नहीं। यदि व्यक्ति दृढ़ निश्चय कर ले और परिवार तथा समाज का सहयोग मिले तो वह आसानी से इस लत से मुक्त हो सकता है। आज जरूरत इस बात की है कि हम स्वयं भी धूम्रपान से दूर रहें और दूसरों को भी इसके खतरों के बारे में जागरूक करें। आखिरकार, एक स्वस्थ समाज की शुरुआत स्वस्थ व्यक्तियों से ही होती है। यदि हम तंबाकू से दूरी बनाकर जीवन को अपनाएं तो न केवल अपना स्वास्थ्य सुरक्षित रख सकते हैं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक बेहतर और सुरक्षित वातावरण तैयार कर सकते हैं। इसलिए इस नो स्मोकिंग डे पर संकल्प लें कि तंबाकू का साथ छोड़कर हर सांस को कीमती बनाएंगे और जीवन को स्वस्थ, सुरक्षित और खुशहाल बनाने की दिशा में कदम बढ़ाएंगे।(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं तथा वर्ष 1993 में नशे के दुष्प्रभावों पर पुरस्कृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' लिख चुके हैं)

दान का पात्र कौन

(अक्षय शुक्ला)

80 के दशक में कमल हासन की एक साइलेंट फिल्म आई थी पुष्पक। फिल्म का एक सीन है, जिसमें भिखारी की मौत के बाद उसे उठाने आई निगम की टीम पास रखे बोरे को झाड़ती है तो उसमें से सैकड़ों नोट हवा में उड़ने लगते हैं, जिन्हें लूटने की होड़ मच जाती है। खैर, यह तो रही फिल्म की बात लेकिन इस तरह के पैसे वाले भिखारियों की खबरें भी कम नहीं। अभी कुछ समय पहले इंदौर के करोड़पति भिखारी ने काफी सुर्खियां बटोरी थीं। तीन मकानों का मालिक यह शख्स शॉफर ड्रिवन कार में भीख मांगने जाता था। तीन ऑटो किराए पर दिए हुए थे। यही नहीं, वह ब्याज पर कर्ज़ भी देता था। इससे पहले करोड़ों की संपत्ति वाले मुंबई के एक अमीर भिखारी की खबर भी आई थी। मकानों के अलावा उसकी कई दुकानें थीं, जिनसे अच्छा खासा किराया आता था।

कमाई के इन आंकड़ों से आप समझ सकते हैं कि देश में हर जगह इतने भिखारी क्यों दिखाई देते हैं। हों भी क्यों न, इस ताज़ा रिपोर्ट को ही देख लीजिए, जो कहती है कि भारत में लोग धर्मस्थलों के बाद सबसे ज्यादा पैसे भिखारियों को देते हैं। अशोका यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर सोशल इम्पैक्ट एंड फिलांथ्रपी की रिपोर्ट 'हाउ इंडिया गिव्स' के मुताबिक हर दस में से सात भारतीय किसी न किसी रूप में दान करते हैं, लेकिन सबसे अधिक धर्मस्थलों को। दूसरा बड़ा हिस्सा भिखारियों की झोली में जाता है। सामाजिक सुधार और शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वाली संस्थाओं को सबसे कम दान मिलता है। जबकि विदेश में ऐसे एनजीओ को सबसे अधिक डोनेशन मिलता है।

कमाई के इन आंकड़ों से आप समझ सकते हैं कि देश में हर जगह इतने भिखारी क्यों दिखाई देते हैं। हों भी क्यों न, इस ताज़ा रिपोर्ट को ही देख लीजिए, जो कहती है कि भारत में लोग धर्मस्थलों के बाद सबसे ज्यादा पैसे भिखारियों को देते हैं।

जब भिखारियों पर यह देश इतने पैसे लुटाएगा तो हर गली में उनका दिखना स्वाभाविक है। लेकिन बहुत से लोग जानते ही नहीं कि सड़क पर फटेहाल बैठे दीन-हीन दिखने वाले शख्स पर दया दिखाकर आप उसकी मदद नहीं कर रहे, बल्कि इस दलदल में और गहरा धकेल रहे हैं। दिन भर मिलने वाला सारा पैसा इनकी जेब में नहीं जाता बल्कि कोई और बटोरकर ले जाता है। कितनी रिपोर्ट में आ चुका है कि एक पूरा सिंडिकेट है, जो बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं और दिव्यांगों का इस्तेमाल इस धंधे के लिए करते हैं।

इसका सबसे दुर्भाग्यपूर्ण पहलू है जानबूझकर विकलांग बनाना या नवजातों को चुराकर उनका भीख मांगने में इस्तेमाल क्योंकि इन पर लोग अधिक दया दिखाते हैं।

यूरोप का हुआ बुरा हाल

रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले देश अब मास्को से मांग रहे गैस और तेल

हम आपको बता दें कि मध्य पूर्व में बढ़ते युद्ध के कारण वैश्विक तेल बाजार में जबरदस्त उथल पुथल देखने को मिल रही है। फारस की खाड़ी के प्रमुख समुद्री मार्ग हार्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया के लगभग पांचवें हिस्से का तेल और गैस गुजरता है। ईरान से जुड़े तनाव और संभावित आपूर्ति बाधा की आशंका के कारण तेल की कीमतें तेजी से बढ़ गईं। सप्ताह की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत प्रति बैरल सौ डॉलर से ऊपर पहुंच गई। बाद में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयान के बाद कीमतों में कुछ गिरावट आई, फिर भी युद्ध से पहले की तुलना में तेल करीब सत्ताइस प्रतिशत महंगा बना हुआ है।

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको बता दें कि मध्य पूर्व में बढ़ते युद्ध के कारण वैश्विक तेल बाजार में जबरदस्त उथल पुथल देखने को मिल रही है। फारस की खाड़ी के प्रमुख समुद्री मार्ग हार्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया के लगभग पांचवें हिस्से का तेल और गैस गुजरता है।

जो यूरोप कल तक रूस पर कड़े प्रतिबंध लगा रहा था और उससे गैस तथा तेल खरीदने वाले देशों पर पेनल्टी लगाने की मांग करते हुए यूक्रेन के साथ खड़ा नजर आ रहा था, वही यूरोप अब मध्य पूर्व में संकट गहराते ही फिर से रूस की ओर देखने लगा है। दरअसल अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष तथा फारस की खाड़ी में तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर खतरा मंडराने लगा है। ऐसे में ऊर्जा संकट से जूझता यूरोप रूस से गैस और तेल की संभावित आपूर्ति को लेकर नई चर्चा कर रहा है। इस पूरे घटनाक्रम ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति और ऊर्जा बाजार दोनों में रूस को अप्रत्याशित लाभ की स्थिति में ला खडा किया है।

हम आपको बता दें कि मध्य पूर्व में बढ़ते युद्ध के कारण वैश्विक तेल बाजार में जबरदस्त उथल पुथल देखने को मिल रही है। फारस की खाड़ी के प्रमुख समुद्री मार्ग हार्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया के लगभग पांचवें हिस्से का तेल और गैस गुजरता है। ईरान से जुड़े तनाव और संभावित आपूर्ति बाधा की आशंका के कारण तेल की कीमतें तेजी से बढ़ गईं। सप्ताह की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत प्रति बैरल सौ डॉलर से ऊपर पहुंच गई। बाद में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयान के बाद कीमतों में कुछ गिरावट आई, फिर भी युद्ध से पहले की तुलना में तेल करीब सत्ताइस प्रतिशत महंगा बना हुआ है।

ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि इस स्थिति का सबसे बड़ा आर्थिक लाभ रूस को मिल सकता है। रूस पहले से ही दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यातकों में शामिल है।

यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने उस पर कठोर आर्थिक प्रतिबंध लगाए थे, लेकिन अब ऊर्जा बाजार में उथल पुथल के कारण इन प्रतिबंधों का प्रभाव कम होता दिखाई दे रहा है। ऊंची कीमतों के कारण रूस को अपने तेल निर्यात से अधिक राजस्व मिलने की संभावना है, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सकती है।

अमेरिका ने भारत को भी कथित रूप से अस्थायी छूट देते हुए रूसी कच्चा तेल खरीदने की अनुमति दी है। इस निर्णय के बाद रूस के तेल निर्यात में तेजी आई है। पहले जहां रूसी तेल लगभग पचास डॉलर प्रति बैरल के आसपास बिक रहा था, वहीं अब इसकी कीमत करीब नब्बे डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है। इससे रूस को राजस्व में भारी बढ़ोतरी मिल रही है।

ऊर्जा बाजार के आंकड़े बताते हैं कि समुद्र में टैंकरों पर जमा रूसी तेल का भंडार भी तेजी से कम हो रहा है, जिससे स्पष्ट है कि खरीदार देशों तक आपूर्ति तेजी से पहुंच रही है। फरवरी के अंत तक जहां टैंकरों में लगभग एक सौ बत्तीस मिलियन बैरल रूसी तेल जमा था, वहीं अब यह घटकर करीब एक सौ अठारह मिलियन बैरल रह गया है। इसका अर्थ है कि वैश्विक बाजार में रूसी तेल की मांग फिर बढ़ने लगी है।

यदि मध्य पूर्व में संघर्ष लंबा चलता है और खाड़ी क्षेत्र से तेल निर्यात बाधित होता है तो रूस को अरबों डॉलर का अतिरिक्त राजस्व मिल सकता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि ऊंची कीमतों और आपूर्ति संकट के चलते रूस को आय में कई अरब डॉलर का अतिरिक्त लाभ हो सकता है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी संकेत दिया है कि यदि यूरोपीय देश राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर दीर्घकालिक सहयोग चाहते हैं तो रूस उन्हें फिर से तेल और गैस आपूर्ति करने को तैयार है। पुतिन का कहना है कि रूस ने कभी यूरोप के साथ ऊर्जा सहयोग से इंकार नहीं किया, लेकिन यूक्रेन युद्ध के बाद यूरोप ने स्वयं रूसी ऊर्जा पर निर्भरता कम करने का निर्णय लिया था।

हम आपको बता दें कि यूक्रेन युद्ध से पहले यूरोप अपनी गैस जरूरतों का चालीस प्रतिशत से अधिक हिस्सा रूस से खरीदता था। लेकिन प्रतिबंधों और वैकल्पिक स्रोतों की खोज के कारण यह हिस्सा घटकर वर्ष 2025 तक लगभग तेरह प्रतिशत रह गया। यूरोपीय संघ ने समुद्री मार्ग से आने वाले रूसी तेल पर प्रतिबंध लगा दिया था और कई पाइपलाइन मार्ग भी बंद हो गए थे।

हालांकि मौजूदा संकट में स्थिति बदलती दिखाई दे रही है। यूरोप ने अभी तक रूसी तरल प्राकृतिक गैस पर पूर्ण प्रतिबंध लागू नहीं किया है और प्रस्तावित योजना के अनुसार इसे 2027 तक धीरे धीरे समाप्त किया जाना है। इस कारण यूरोप के कुछ देश आपूर्ति संकट की स्थिति में फिर से रूसी गैस खरीदने पर विचार कर सकते हैं।

फिर भी रूस की क्षमता पूरी तरह असीमित नहीं है। वर्षों से लगे प्रतिबंधों और यूक्रेन से हुए हमलों के कारण उसकी ऊर्जा अवसंरचना के कुछ हिस्सों को नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा जहाजरानी और बीमा से जुड़ी बाधाएं भी रूसी निर्यात को सीमित करती हैं। वैसे रूस का अधिकांश तेल फिलहाल भारत और चीन जैसे सीमित खरीदारों को ही जा रहा है।

इसके बावजूद मौजूदा वैश्विक परिस्थिति का सामरिक महत्व बहुत बड़ा है। मध्य पूर्व में युद्ध ने यह स्पष्ट कर दिया है कि ऊर्जा आपूर्ति पर नियंत्रण अंतरराष्ट्रीय राजनीति का सबसे महत्वपूर्ण हथियार बना हुआ है। रूस के पास विशाल तेल और गैस भंडार हैं और संकट के समय यह उसे आर्थिक और कूटनीतिक दोनों तरह का प्रभाव प्रदान करते हैं।

दूसरी ओर यूरोप के सामने भी एक कठिन विकल्प खड़ा हो गया है। यदि मध्य पूर्व से ऊर्जा आपूर्ति बाधित होती है तो उसे अपने पुराने ऊर्जा स्रोत यानी रूस की ओर फिर से देखना पड़ सकता है। इस प्रकार मध्य पूर्व का युद्ध केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक ऊर्जा संतुलन और भू राजनीतिक शक्ति समीकरण को भी नए सिरे से आकार दे रहा है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

वैवाहिक जीवन के रहस्य उजागर करती है हस्त रेखाएं

आपकी शादी किस उम्र में होने वाली है, क्या पारिवारिक जीवन सुखी रहेगा या फिर आपस में झगड़े होते रहेंगे? इन सवालों के जवाब पाने के लिए कई लोग ज्योतिषियों से राय लेते रहते हैं और कभी-कभी इंटरनेट पर छानबीन कर परेशान रहते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपकी हथेली आपको बता सकती है कि आपका जीवनसाथी कैसा रहने वाला है और कब शादी होगी? समुद्र विज्ञान के अनुसार, हमारी हथेली की छोटी उंगली के ठीक नीचे एक 'विवाह रेखा' होती है. हालांकि, आम लोगों के मन में इस रेखा को लेकर कई गलत धारणाएं हैं. बहुत से लोग मानते हैं कि हथेली पर तीन रेखाएं होने का मतलब है कि आपकी तीन बार शादी होगी.

छोटी उंगली के मूल और हृदय रेखा के बीच क्षैतिज रूप से दिखाई देने वाली पतली रेखा को ज्योतिष में विवाह रेखा कहा जाता है। समुद्र विज्ञान के अनुसार, यदि यह रेखा गहरी, स्पष्ट और लाल रंग की हो, तो व्यक्ति का वैवाहिक जीवन बहुत सुखमय होगा, लेकिन यदि यह रेखा अस्पष्ट या जंजीर की तरह उलझी हुई हो, तो यह समझना चाहिए कि रिश्ते में जटिलताओं की प्रबल संभावना है।

समुद्र विज्ञान के अनुसार, कई लोगों के हाथों में दो या तीन रेखाएं होती हैं। शास्त्रीय शोध के अनुसार, इसका यह मतलब नहीं है कि आपकी बार-बार शादी होगी। वास्तव में, बुध क्षेत्र में ये छोटी रेखाएं आपके जीवन में गहरे प्रेम संबंध या भावनात्मक लगाव का संकेत देती हैं। हालांकि, यदि दोनों रेखाएं समान रूप से गहरी, चौड़ी और समानांतर हों, तो हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, एक से अधिक विवाह होने की संभावना होती है। अन्यथा, हल्की रेखाएं केवल क्षणिक संबंधों का संकेत देती हैं। क्या आपकी शादी जल्दी होगी या देर से? इसे समझने का एक सरल सूत्र है। हृदय रेखा से कनिष्ठा रेखा के मूल तक की दूरी 50 वर्ष मानी जाती है। यदि आपकी विवाह रेखा मध्य में है, तो माना जाता है कि आपकी शादी 25 से 27 वर्ष की आयु के बीच होगी। हृदय रेखा के जितनी करीब यह रेखा होगी, शादी उतनी ही जल्दी होने की संभावना है। यदि यह कनिष्ठा रेखा की ओर अधिक झुकी हुई है, तो इसका अर्थ है कि आपकी शादी अधिक उम्र में होगी। वहीं, ज्योतिषशास्त्र में कुछ विशेष संकेतों को चेतावनी के संकेत के रूप में देखा जाता है।

द्वीप : यदि रेखा के मध्य में एक गोलाकार द्वीप जैसा चिह्न है, तो इसका अर्थ है कि वैवाहिक जीवन में कोई बड़ी बाधा या अलगाव हो सकता है।

नीचे की ओर ढलान वाली रेखा : यदि विवाह रेखा अचानक नीचे गिरकर हृदय रेखा को छूती है, तो इससे जीवनसाथी को शारीरिक बीमारी या गहरा दु:ख हो सकता है।

क्रॉस : यदि रेखा पर क्रॉस या तिल का निशान हो, तो यह वैवाहिक जीवन में अचानक झटका या परेशानी का संकेत देता है। हाथ की रेखाएं सिर्फ एक मार्गदर्शक होती हैं। हालांकि, व्यक्ति के कर्म और सोच ही उसके भाग्य को बदलते हैं इसलिए सावधान रहना और हाथ की रेखाओं से निराश न होना ही बुद्धिमानी है।

वर्ष में 2 बार क्यों आता है मलमास या खरमास

मलमास (अधिक मास) या खरमास हिंदू पंचांग में एक महत्वपूर्ण समय होता है, जो हर साल दो बार आता है। यह एक खास खगोलीय स्थिति का परिणाम है, जो भारतीय कैलेंडर और ज्योतिषशास्त्र के अनुसार निर्धारित होता है। मलमास को अधिक मास भी कहा जाता है और यह एक ऐसा महीना होता है जिसमें कोई शुभ कार्य जैसे विवाह, गृह प्रवेश या नए व्यापार की शुरुआत नहीं की जाती। इसी तरह खरमास सूर्य के विशेष राशि परिवर्तन से जुड़ा हुआ होता है, जो पवित्र समय की शुरुआत करता है। आपको बता दें कि इस साल 2026 का अगला खरमास 15 मार्च 2026 से शुरू हो रहा है, जो कि लगभग एक महीने तक चलेगा यानी 14 अप्रैल 2026 को समाप्त होगा।

मुख्य अंतर: एक नजर में

विशेषता: खरमास
कारण: सूर्य का धनु या मीन राशि में जाना।
आवृत्ति: साल में 2 बार।
अवधि: हमेशा 1 महीना (लगभग 30 दिन)।
मान्यता: सूर्य का तेज कम होना।

विशेषता: मलमास / अधिक मास (Malmas)
कारण: चंद्र और सूर्य वर्ष के दिनों का अंतर।
आवृत्ति: लगभग हर 3 साल में 1 बार।
अवधि: पूरा एक अतिरिक्त महीना।
मान्यता: समय का संतुलन बनाना।

विशेष टिप : खरमास में मांगलिक कार्य भले ही वर्जित हों, लेकिन यह समय सूर्य देव की उपासना और दान-पुण्य के लिए बहुत श्रेष्ठ माना जाता है।

खरमास (सूर्य की स्थिति)

खरमास साल में दो बार आता है। यह तब होता है जब सूर्य बृहस्पति की राशियों- धनु और मीन में प्रवेश करता है।

क्यों आता है?

ज्योतिष के अनुसार, जब सूर्य अपने गुरु (बृहस्पति) की सेवा में उनकी राशियों में जाता है, तो सूर्य का तेज कम हो जाता है। बृहस्पति की राशि में सूर्य को 'मद्धम' माना जाता है।

कब-कब आता है?

1. मध्य दिसंबर से मध्य जनवरी (जब सूर्य धनु राशि में हो)।
2. मध्य मार्च से मध्य अप्रैल (जब सूर्य मीन राशि में हो)।

इसमें क्या होता है?

खरमास का संबंध सूर्य के धनु राशि या मीन राशि में प्रवेश से होता है। जब सूर्य इन राशियों में प्रवेश करता है, तब यह समय खरमास कहलाता है। इस समय विशेष रूप से मांगलिक कार्य जैसे विवाह, गृह प्रवेश आदि नहीं किए जाते। इसे 'सौर मास' की अशुद्धि माना जाता है।

मलमास / अधिक मास (चंद्रमा की चाल)

मलमास (जिसे पुरुषोत्तम मास भी कहते हैं) हर साल नहीं आता, बल्कि यह हर तीसरे साल (लगभग 32 महीने बाद) आता है।

क्यों आता है?

चंद्रमा का वर्ष 354 दिनों का होता है, जबकि सौर वर्ष (सूर्य का साल) 365 दिनों का। इन दोनों के बीच हर साल 11 दिनों का अंतर आ जाता है। तीन सालों में यह अंतर लगभग 1 महीना (33 दिन) हो जाता है। इसी अंतर को पाटने के लिए पंचांग में एक अतिरिक्त महीना जोड़ दिया जाता है।

क्या होता है?

चूंकि इस महीने का कोई स्वामी ग्रह नहीं था, इसलिए भगवान विष्णु ने इसे अपना नाम दिया-पुरुषोत्तम मास। इसमें पूजा-पाठ और दान का फल अनंत गुना मिलता है, लेकिन सांसारिक शुभ कार्य नहीं किए जाते।

किसी भी उद्घाटन, कार्यक्रम या शुभ अवसर पर क्यों जलाया जाता है दीपक?

किसी भी कार्यक्रम, उद्घाटन या फिर कोई भी शुभ कार्य दीप प्रज्ज्वलित कर की जाती है। इस शुभ कार्य के पीछे धार्मिक महत्व को लेकर प्रख्यात ज्योतिषी डॉ। बसवराज गुरुजी ने बताया है। गुरुजी ने श्लोक "दीपज्योति: परब्रह्म दीपज्योतिर्जनार्दन:, दीपो हरतु मे पापं दीपज्योतिर्नमोऽस्तुते।" पढ़ा और दीपक का अर्थ समझाया कि इसका अर्थ यह है कि दीपक की ज्योति ही सर्वोच्च ब्रह्म और भगवान विष्णु (जनार्दन) हैं, जो हमारे पापों और अज्ञान को दूर करती है, ऐसी ज्योति को मैं नमन करता हूं। उन्होंने कहा कि भगवान को जो भी भोजन अर्पित किया जाता है, वह अग्नि के माध्यम से अर्पित किया जाता है। उसी प्रकार दीपक के माध्यम से भगवान की प्रार्थना की जाती है। दीपक को भगवान का स्वरूप माना जाता है। दीपक की लौ हमेशा ऊपर की ओर जलती है। यह ऊपर की ओर गति विकास, प्रगति और समृद्धि का प्रतीक है।

दीपक नकारात्मक ऊर्जा करता है खत्म

गुरुजी ने कहा कि अनादि काल से हमारे सभी कार्यक्रम दीपक प्रज्ज्वलित करने से शुरू होते आए हैं। घर में सुबह की पूजा शुरू करने से पहले दीपक जलाना और उसके बाद ही पूजा करना एक परंपरा है। दिवाली के त्योहार के दौरान पूरा घर दीयों से जगमगाता है, जो शुभता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि दीपक हमें शक्ति प्रदान करता है और हमारे आसपास की नकारात्मक ऊर्जाओं को दूर करता है। दीपक गुरु का प्रतीक भी है। दीपक से निकलने वाला प्रकाश हमारे अज्ञान को दूर करता है और हमें ज्ञान का प्रकाश प्रदान करता है। सभाओं और समारोहों में दीपक जलाकर अग्निदेव से प्रार्थना की जाती है, "मैं इस कार्यक्रम का आयोजन कर रहा हूं, मुझे आपकी कृपा चाहिए।" अग्निदेव पांच तत्वों (आकाश, पृथ्वी, अग्नि, जल, वायु) में से एक हैं। अग्नि सूर्य का प्रतीक है और इन पांच तत्वों को बनाए रखने की शक्ति रखती है।

किसान भी जलाएं दीपक

गुरुजी का कहना है कि चाहे छोटा व्यवसाय हो, बड़ा व्यवसाय हो या गली-मोहल्ले का विक्रेता, दुकान में हर दिन दीपक जलाकर व्यापार करना आवश्यक नहीं है। हालांकि, जब पहली बार दीपक जलाया जाता है, तो उस स्थान के चारों ओर आठों दिशाओं में व्याप्त नकारात्मक ऊर्जाएं दूर हो जाती हैं और सकारात्मक ऊर्जाएं आकर्षित होती हैं। गुरुजी ने किसानों को भी बीज बोने से पहले जमीन में दो दीपक जलाकर प्रार्थना करने की सलाह दी है, ताकि उन्हें अच्छी फसल मिले।

आज का राशिफल

मेष राशि - आज का दिन आपके लिए सामान्य से बेहतर रहेगा। पारिवारिक मामलों में थोड़ी चिंता हो सकती है, लेकिन वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। बुद्धि और कौशल से किए गए कार्यों में सफलता मिलेगी। निवेश के लिए दिन ठीक है, लेकिन यात्रा से जुड़े खर्च बढ़ सकते हैं। जीवनसाथी और परिवार का सहयोग मिलेगा, विवाद से बचें। मानसिक तनाव से बचने की कोशिश करें।

वृषभ राशि - आज का दिन आर्थिक मामलों में सफलता दिलाने वाला रहेगा। परिवार का सहयोग मिलेगा और रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में आपके प्रयास सफल होंगे। सहकर्मियों और अधिकारियों से सहयोग मिलेगा। धन लाभ के योग बन रहे हैं और आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। भाई-बहनों और जीवनसाथी से प्रेम और सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मिथुन राशि - आज का दिन प्रगति और नए अवसर लेकर आ सकता है। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। व्यवसाय से जुड़ी योजनाएं सफल होंगी और नए संपर्क बन सकते हैं। Finance: आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और लाभ के योग बनेंगे। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा और रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कर्क राशि - आज भावनाओं पर नियंत्रण रखना आपके लिए जरूरी होगा। छोटी-छोटी बातों को विवाद का कारण न बनने दें। कार्यक्षेत्र में धैर्य से काम लेने पर सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों में उम्मीद से अधिक लाभ हो सकता है। परिवार के साथ तालमेल बनाकर रखें।

सिंह राशि - आज का दिन आपके लिए प्रगति लेकर आएगा। मेहनत का पूरा फल मिलने के संकेत हैं। नौकरी और व्यवसाय में उन्नति के योग बन रहे हैं। शासन-सत्ता से सहयोग मिल सकता है। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। परिवार में सुख-शांति का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कन्या राशि - आज आप पुरानी मान्यताओं को छोड़कर नए विचारों को अपनाएंगे, जिससे परिवार में उत्साह रहेगा। करियर की नई शुरुआत के लिए दिन शुभ है। किसी पुराने दोस्त से मुलाकात हो सकती है। सामान्य से बेहतर स्थिति रहेगी। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान बन सकता है। मनपसंद भोजन का आनंद लेंगे, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

तुला राशि-आज का दिन रिश्तों और कार्यों में संतुलन बनाने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में प्रगति के अवसर मिलेंगे। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

वृश्चिक राशि - आज का दिन भाग्य का साथ देने वाला रहेगा। कोई सुखद समाचार मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में नए अवसर और संपर्क बन सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। परिवार और गुरुजनों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

धनु राशि- आज स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता है। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में सावधानी से काम करें ताकि प्रतिष्ठा प्रभावित न हो। आर्थिक मामलों में धीरे-धीरे प्रगति होगी। परिवार के साथ समय बिताएं। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

मकर राशि - आज का दिन आपके लिए शुभ परिणाम लेकर आएगा। परिवार और जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता और सम्मान मिल सकता है। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा और धन लाभ के योग बनेंगे। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

कुंभ राशि- आज सामाजिक कार्यों में आपकी व्यस्तता बढ़ सकती है। रिश्तों में संतुलन बनाए रखें। कार्यक्षेत्र में नए लोगों से संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, लेकिन रिश्तेदारों से तनाव हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें।

मीन राशि- आज का दिन शिक्षा और करियर के क्षेत्र में सफलता दिलाने वाला रहेगा। प्रतियोगिता और पढ़ाई से जुड़े प्रयास सफल होंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

- ज्योतिष गुरु पंडित अतुल शास्त्री

घर में ना लगाएं ऐसी 7 तस्वीरें और पोस्टर

वास्तु शास्त्र एक ऐसा विज्ञान है जिसमें हमारे आसपास की एनर्जी को बदलने की पूरी ताकत है। वास्तु में सिर्फ और सिर्फ घर की दिशाओं के बारे में नहीं बताया गया है। घर में रखी हुई चीजों का भी हमारी जिंदगी पर गहरा असर पड़ता है। मान लीजिए आपने कोई चीज सही दिशा या सही जगह पर नहीं रखी है तो देर-सवेर उसका गलत प्रभाव आप अपनी जिंदगी पर देख ही लेंगे। वास्तु के नियम के हिसाब से घर में जहां कुछ चीजें रहनी जरूरी हैं। वहीं कुछ ऐसी चीजें भी हैं, जिनके घर में रहने से तबाही आ सकती है। नियम के अनुसार घर के अंदर ऐसी तस्वीरें नहीं लगानी चाहिए जिससे वास्तु खराब हो और जिंदगी में नेगेटिविटी आए। तो नीचे विस्तार से जानें कि घर में भूलकर भी किन-किन तस्वीरों को नहीं लगाना चाहिए? घर में ना लगाएं ऐसी 7 तस्वीरें और पोस्टर

1. हिंसक जानवर की तस्वीर

वास्तु के नियम के हिसाब से घर में कभी भी हिंसक जानवर की तस्वीर नहीं लगानी चाहिए। भेड़िया, शेर और सांप की तस्वीरें घर में लगाने से बचना चाहिए।

2. नेगेटिव वाइब वाली तस्वीरें

नीरस और दुखी चेहरे वाली तस्वीरें घर में लगाने के बारे में सोचना भी चाहिए। ऐसी तस्वीरें घर में नेगेटिविटी लेकर आती हैं। इससे धीरे-धीरे घर का वास्तु खराब होता है।

3. लड़ाई झगड़े वाली तस्वीर

कोशिश करें कि महाभारत से जुड़ी तस्वीरों को घर में ना लगाया जाए। इस तस्वीरों को लगाने से घर के सदस्यों के बीच मनमुटाव की स्थिति पैदा होती है। इसके अलावा ऐसी भी कोई तस्वीर या पोस्टर ना लगाएं जिसमें लोग लड़ते हुए या बहसबाजी करते हुए नजर आएं।

4. ना लगाएं ऐसे पौधे की तस्वीर

वास्तु के नियम के हिसाब से घर में पौधों की तस्वीर लगाई जा सकती है लेकिन इस दौरान कुछ चीजों का ध्यान देना जरूरी है। नियम के हिसाब से कांटेदार पौधों की तस्वीर घर के वास्तु के लिए सही नहीं होती है। इन तस्वीरों से घर की वाइब्रेशन पर असर पड़ता है और बाद में ये हमारे दिमाग पर गहरा असर छोड़ती हैं।

5. ये तस्वीर तो बिल्कुल भी नहीं

वास्तुशास्त्र में तो कुछ तस्वीरों को लगाने की विशेष रूप से मनाही है। कई बार लोग आर्ट के नाम पर घर में कुछ भी लगा देते हैं। कभी किसी की कब्र या फिर समाधि की तस्वीर को घर में लगाना ही नहीं चाहिए। ऐसा करने से बचना चाहिए।

6. सूर्य की ऐसी तस्वीर ना लाएं घर

अगर कोई सीनरी ऐसी है जिसमें सूर्य का अस्त होता दिख रहा है तो ये घर के लिए शुभ नहीं है। सूर्यास्त को देखना अच्छा लग सकता है लेकिन इसकी तस्वीर को घर में लगाने से एनर्जी खराब होती है।

7. घर पर ना लगाएं ये तस्वीर

वास्तु के हिसाब से घर पर नटराज की तस्वीर या फिर मूर्ति नहीं लगानी चाहिए। नियम के अनुसार इसे घर पर रखना सही नहीं होता है। ऐसे में जब भी आप घर पर तस्वीर लगाने की सोचें तो एक बार वास्तु के नियमों को जरूर ध्यान में रखकर ही सही तस्वीर या पोस्टर का चुनाव करें।

आंखों की थकान दूर करने के लिए क्या करें?

आज के समय में आंखों में थकान की समस्या काफी आम हो गई है. जो लोग घंटों कंप्यूटर पर काम करते हैं, पढ़ाई में ज्यादा समय स्क्रीन पर बिताते हैं या लगातार मोबाइल का इस्तेमाल करते हैं, उन्हें यह समस्या अधिक हो सकती है. बच्चों और युवाओं में भी यह समस्या तेजी से बढ़ रही है. इसलिए आंखों की थकान को हल्के में नहीं लेना चाहिए. आइए जानते हैं कि आंखों में थकान होने से क्या समस्याएं हो सकती हैं और इससे बचाव के लिए क्या किया जा सकता है.

आंखों में थकान होने से क्या समस्याएं हो सकती हैं?

जब आंखों को लंबे समय तक आराम नहीं मिलता, तो कई तरह की परेशानियां सामने आ सकती हैं। आंखों में लगातार जलन, लालिमा और सूखापन महसूस हो सकता है। कुछ लोगों को धुंधला दिखाई देना या फोकस करने में दिक्कत भी हो सकती है। आंखों की थकान सिरदर्द और आंखों के आसपास दर्द का कारण भी बन सकती है। कई बार लंबे समय तक स्क्रीन देखने से आंखों में पानी आना या रोशनी के प्रति सेंसिटिविटी बढ़ना भी देखा जाता है। अगर यह समस्या लंबे समय तक बनी रहे, तो काम करने या पढ़ाई करने में भी परेशानी हो सकती है। इसलिए आंखों की थकान को नजरअंदाज करना सही नहीं माना जाता और समय पर ध्यान देना जरूरी होता है।

आंखों की थकान दूर कैसे करें?

आंखों की थकान कम करने के लिए कुछ आसान आदतें अपनाई जा सकती हैं। लंबे समय तक स्क्रीन देखने के दौरान बीच-बीच में आंखों को आराम देना जरूरी है। हर 20 से 30 मिनट में कुछ सेकंड के लिए स्क्रीन से नजर हटाकर दूर देखना फायदेमंद हो सकता है। पर्याप्त नींद लेना भी आंखों की सेहत के लिए जरूरी माना जाता है। इसके अलावा ठंडे पानी से आंखें धोना या कुछ देर के लिए आंखें बंद करके आराम करना भी मदद कर सकता है। काम करते समय सही रोशनी का होना भी जरूरी है। अगर आंखों में थकान बार-बार महसूस हो रही हो, तो डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर माना जाता है।

दुर्लभ मस्तिष्क संबंधी बीमारी का उपचार

भारत के प्रमुख स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं में से एक मणिपाल हॉस्पिटल्स ग्रुप की इकाई मणिपाल हॉस्पिटल धाकुरिया के डॉक्टरों ने पश्चिम बंगाल के आरामबाग क्षेत्र के नारायणपुर गांव निवासी 29 वर्षीय अतनु पंडित में पाई गई एक दुर्लभ जन्मजात मस्तिष्क संबंधी बीमारी मेनिंगोएन्सेफालोसील के साथ CSF राइनोरिया का सफलतापूर्वक उपचार किया। यह स्थिति तब होती है जब खोपड़ी में मौजूद एक दोष के कारण मस्तिष्क का एक हिस्सा और उसकी सुरक्षात्मक परत नाक की गुहा में पहुंच जाती है, जिससे नाक से सेरेब्रोस्पाइनल फ्लूइड (CSF) का रिसाव होने लगता है।

मरीज का उपचार डॉ. कौशिक सिल, कंसल्टेंट – न्यूरोसर्जरी, मणिपाल हॉस्पिटल धाकुरिया की देखरेख में किया गया। उन्हें ईएनटी विभाग की टीम का सहयोग मिला, जिसका नेतृत्व प्रोफेसर डॉ. अमिताभा रायचौधुरी, कंसल्टेंट – ईएनटी, मणिपाल हॉस्पिटल धाकुरिया ने किया। अतनु पंडित कई वर्षों से नाक से लगातार साफ पानी जैसा तरल निकलने की समस्या से परेशान थे। शुरुआत में इसे मामूली नाक की समस्या समझकर नजरअंदाज कर दिया गया। बाद में जांच में पता चला कि यह तरल वास्तव में सेरेब्रोस्पाइनल फ्लूइड (CSF) है, जो मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी को सुरक्षा प्रदान करता है तथा खोपड़ी के अंदर दबाव को संतुलित बनाए रखता है। नाक से CSF के रिसाव को चिकित्सकीय भाषा में CSF राइनोरिया कहा जाता है।

जब अतनु लगभग चार वर्ष के थे, तब उनकी नाक के अंदर इसी तरह की एक सूजन दिखाई दी थी। उस समय स्थानीय डॉक्टरों ने इसे नैसल पॉलिप समझा, जो ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर देखा जाता है। जांच के दौरान एक बार तरल निकलने की घटना हुई, लेकिन बाद में सूजन अपने आप कम हो गई। इसके बाद लंबे समय तक कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखे, इसलिए आगे इलाज नहीं कराया गया।

हालांकि जन्मजात दोष के कारण समय के साथ मस्तिष्क का एक हिस्सा धीरे-धीरे नाक की गुहा में पहुंच गया और वहां एक नरम पॉलिप जैसी संरचना बन गई।

आगे की जांच में पता चला कि मरीज के एंटीरियर स्कल बेस यानी खोपड़ी के उस हिस्से में बड़ा दोष है जो मस्तिष्क और चेहरे की गुहा को अलग करता है। एमआरआई स्कैन से पुष्टि हुई कि मरीज को मेनिंगोएन्सेफालोसील है, जो एक दुर्लभ जन्मजात विकार है। इसमें मस्तिष्क के ऊतक और उसकी परतें खोपड़ी के आधार में मौजूद एक छिद्र के माध्यम से बाहर निकल आती हैं। यह स्थिति अत्यंत दुर्लभ है और लगभग 35,000 से 40,000 लोगों में एक में पाई जाती है। यदि समय पर इलाज न किया जाए तो इससे बार-बार संक्रमण, न्यूरोलॉजिकल जटिलताएं या जानलेवा मेनिनजाइटिस हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री मोदी के मुरीद हुए पूर्व ऑस्ट्रेलियाई पीएम, कहा- उन्होंने खुद को सत्ता के अहंकार से बचाया हुआ है

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी एबॉट ने दिल्ली में होने वाले 'रायसीना

डायलॉग' और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह कार्यक्रम साल 2016 से हर मार्च में आयोजित हो रहा है। यह एक सोच का शानदार नतीजा है। एबॉट ने इसकी तुलना दुनिया के अन्य बड़े मंचों से की। उन्होंने इसे स्विट्जरलैंड के दावोस और चीन के बोआओ फोरम से बेहतर बताया। उनके अनुसार, रायसीना डायलॉग में केवल अमीर लोगों का बोलबाला नहीं रहता और न ही यह सिर्फ सरकार की तारीफ करने का जरिया है। भारत का यह मंच पूरी तरह स्वतंत्र है। प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए एबॉट ने कहा, मोदी दुनिया के सबसे शक्तिशाली नेताओं में से एक हैं। इसके बावजूद उनमें दूसरों को सुनने का बड़ा गुण है। वे हर साल मुख्य अतिथि को सुनने के लिए कार्यक्रम में बैठते हैं, लेकिन खुद भाषण नहीं देते। पिछले साल उन्होंने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री और इस साल फिनलैंड के राष्ट्रपति को पूरे धैर्य के साथ सुना। एबॉट ने कहा कि शायद एक हिंदू संन्यासी के रूप में बिताए समय की वजह से मोदी में सत्ता का अहंकार नहीं आया है। वे एक दशक से ज्यादा समय से सत्ता में हैं, फिर भी बहुत विनम्र हैं। भारत में तानाशाही के आरोपों पर एबॉट ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने इन बातों को पूरी तरह बकवास बताया। उन्होंने कहा कि जिस देश में निष्पक्ष चुनाव होते हों और मीडिया व न्यायपालिका स्वतंत्र हो, वहां तानाशाही का कोई खतरा नहीं हो सकता। उन्होंने उदाहरण दिया कि रायसीना डायलॉग में इस्राइल और ईरान, दोनों के प्रतिनिधियों को अपनी बात रखने का पूरा मौका मिला। एबॉट खुद साल 2022 से इस कार्यक्रम में व्यक्तिगत रूप से शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी तानाशाह देश ऐसा खुला मंच तैयार नहीं कर सकता।

नेतन्याहू की ईरान को सीधी चेतावनीः मोजतबा खामेनेई की जान की कोई गारंटी नहीं

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान और उसके सहयोगी संगठनों को लेकर बेहद कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने गुरुवार को कहा कि ईरान के खिलाफ अमेरिका और इस्राइल का साझा सैन्य अभियान उम्मीद से कहीं बेहतर चल रहा है। वह पहले से कहीं ज्यादा मजबूत स्थिति में हैं। नेतन्याहू ने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के लिए कोई लाइफ इंश्योरेंस (जीवन बीमा) नहीं है। जब ने नेतन्याहू से पूछा गया कि क्या इस्राइल मोजतबा खामेनेई और हिजबुल्लाह के नेता नईम कासिम को निशाना बनाएगा, तो उन्होंने दोटूक जवाब दिया। उन्होंने कहा कि वह किसी भी आतंकी संगठन के नेता की सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं ले सकते। गौरतलब है कि मोजतबा के पिता और ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल के साझा हमलों में मारे गए थे। इस्राइल ने 28 फरवरी से ईरान के खिलाफ 'रोरिंग लायन' नाम से एक अभियान शुरू किया है। इस अभियान में अमेरिका भी शामिल है, जिसने इसे 'एपिक फ्यूरी' नाम दिया है। इस सैन्य कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को रोकना, उसके मिसाइल कार्यक्रम को नष्ट करना और क्षेत्र में ईरान के मददगार गुटों को खत्म करना है। ईरान में सत्ता परिवर्तन के सवाल पर नेतन्याहू ने कहा कि अमेरिका और इस्राइल मिलकर ऐसे हालात पैदा कर रहे हैं, जिससे ईरान की जनता खुद इस क्रूर और तानाशाह शासन को उखाड़ फेंके। उन्होंने बताया कि इस्राइली सेना सड़कों और चेकपॉइंट्स पर रिवोल्यूशनरी गार्ड्स और बासिज बलों पर लगातार हमले कर रही है। नेतन्याहू ने ईरानी जनता को संबोधित करते हुए कहा कि आजादी का समय करीब आ रहा है और इस्राइल उनके साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि वे हवाई हमलों के जरिए ऐसे मौके बनाएंगे।

युद्ध से ईरान में मानवीय संकट गहराया: 32 लाख लोग विस्थापित, हमलों में कई अस्पताल भी हुए क्षतिग्रस्त

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। अमेरिका और इस्राइल के लगातार हवाई हमलों के बीच ईरान में मानवीय संकट तेजी से गहराता जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (यूएनएचसीआर) के अनुसार युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक करीब 32 लाख लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हो चुके हैं, जिनमें बड़ी संख्या तेहरान और अन्य बड़े शहरों से सुरक्षित इलाकों की ओर पलायन कर रही है। एजेंसी ने चेतावनी दी है कि यदि हमले जारी रहे तो विस्थापन का यह आंकड़ा और तेजी से बढ़ सकता है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) ने गुरुवार को कहा कि 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान के खिलाफ शुरू किए गए सैन्य अभियान के बाद से अब तक लगभग 32 लाख लोग विस्थापित हो चुके हैं। एजेंसी के अनुसार यह संख्या करीब 6 लाख से 10 लाख ईरानी परिवारों के बराबर है। यूएनएचसीआर की अधिकारी अयाकी इतो ने कहा कि अधिकांश लोग तेहरान और अन्य बड़े शहरी इलाकों से निकलकर देश के उत्तरी हिस्सों और ग्रामीण क्षेत्रों की ओर जा रहे हैं, जहां वे अपेक्षाकृत सुरक्षित माहौल की तलाश कर रहे हैं। इतो ने कहा कि अगर युद्ध जारी रहता है तो विस्थापन का आंकड़ा और बढ़ सकता है, जिससे मानवीय

जरूरतों में चिंताजनक वृद्धि होगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर युद्धविराम और तनाव कम करने की अपीलों के बावजूद अमेरिका और इस्राइल की सेनाएं ईरान में हमले जारी रखे हुए हैं। बृहस्पतिवार को राजधानी तेहरान समेत कई शहरों में जोरदार विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं। पूर्वी तेहरान के एक प्रभावित इलाके में कई बहुमंजिला इमारतें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। अल जजीरा के संवाददाता तोहिद असदी ने बताया कि बचावकर्मी मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए लगातार राहत कार्य चला रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने मलबे से कई शव निकलते देखे।

ईरान ने भी अमेरिका-इस्राइल हमलों के जवाब में मध्य पूर्व में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और अन्य लक्ष्यों पर मिसाइलों और ड्रोन से हमले किए हैं।इसके साथ ही ईरान ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया है, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग माना जाता है। इस जलमार्ग से दुनिया के कुल तेल परिवहन का लगभग एक-पांचवां हिस्सा गुजरता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह मार्ग लंबे समय तक बंद रहता है तो वैश्विक तेल आपूर्ति और ऊर्जा बाजार पर गंभीर असर पड़ सकता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक और रणनीतिक तनाव और बढ़ने की आशंका है। ईरान के उप स्वास्थ्य मंत्री अली जाफरियान ने मीडिया से बातचीत में कहा कि हाल के दिनों में शहरी इलाकों पर हमलों के तेज होने के कारण घायलों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।उन्होंने कहा कि घायल होने वालों में अधिकांश आम नागरिक हैं। जाफरियान के मुताबिक हमलों में 30 से अधिक अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, जिससे चिकित्सा सेवाओं पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है।

नेतन्याहू का दावा- इस्राइली हमलों में मारे गए ईरान के शीर्ष परमाणु वैज्ञानिक

मोजतबा को बताया कठपुतली

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार देर रात एक चौंकाने वाला दावा किया। उन्होंने कहा कहा कि ईरान के शीर्ष परमाणु वैज्ञानिक इस्राइली हमलों में मारे गए हैं। नेतन्याहू ने एक संवाददाता सम्मेलन में ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई को इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की कठपुतली करार दिया। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक बेंजामिन

नेतन्याहू ने ईरान के नए सर्वोच्च नेता पर तीखा हमले करते हुए कहा कि वह सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दे सकते। नेतन्याहू की यह टिप्पणी ईरान के सरकारी टीवी पर खामेनेई द्वारा जारी एक बयान के कुछ घंटों बाद आई है। इस बयान में मोजतबा ने ईरान की ओर से हमले जारी रखे जाने की बात कही थी।

ईरान की ओर से नहीं आया कोई आधिकारिक जवाब: ईरान की ओर से अभी तक इन दावों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। हालांकि, यह उम्मीद की जा रही है कि तेहरान इन आरोपों का खंडन करेगा और इस्राइल पर पलटवार करेगा। ईरान के सरकारी मीडिया द्वारा जारी किए गए बयान और सर्वोच्च नेता के सार्वजनिक रूप से न दिखने की खबरें भी कई सवाल खड़े करती हैं। ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका और इस्राइल के साथ जारी जंग के बीच गुरुवार को पहला बयान जारी किया। हालांकि, इस बयान को उन्होंने खुद कैमरे पर नहीं पढ़ा। उनके इस बयान को सरकारी टेलीविजन पर एक समाचार एंकर ने पढ़ा। मोजतबा खामेनेई के बयान में कहा गया, 'ईरान अपने पड़ोसी देशों के साथ मित्रता चाहता है। तेहरान अब केवल अमेरिका के ठिकानों को निशाना बना रहा है, जिस पर हमले जारी रहेंगे।' मोजतबा खामेनेई ने देश से एकजुटता आह्वान करते हुए कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद रखा जाएगा।

गहराएगा पश्चिम एशिया संकट: इराक में ड्रोन हमले में फ्रांसीसी सैनिक की मौत, कई घायल

पेरिस, एजेंसी। पश्चिम एशिया में धधक रहा युद्ध अब खतरनाक रूप से फैलता नजर आ रहा है। लगातार हो रहे हमलों और जवाबी कार्रवाई ने पूरे क्षेत्र को बारूद के ढेर पर बैठा दिया है। इसी बीच इराक के कुर्द इलाके एरबिल में हुए घातक हमले ने हालात की गंभीरता और बढ़ा दी, जहां एक फ्रांसीसी सैनिक की मौत हो गई। इस बात की जानकीरी फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शुक्रवार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट के जरिए दी। मैक्रों ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह हमला अस्वीकार्य है। उन्होंने मृतक सैनिक के परिवार और साथियों के प्रति गहरी संवेदना और एकजुटता व्यक्त की। बता दें कि मृतक सैनिक की पहचान फ्रांस के 7वें अल्पाइन शासर बटालियन के वारंट ऑफिसर आर्नौ फ्रियोन के रूप में हुई है। राष्ट्रपति मैक्रों ने बताया कि इस हमले में कई अन्य फ्रांसीसी सैनिक भी घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि फ्रांस अपने सैनिकों और उनके परिवारों के साथ खड़ा है और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाए जाएंगे। अपने पोस्ट में मैक्रों ने स्पष्ट किया कि फ्रांसीसी सैनिक 2015 से आईएसआईएस के खिलाफ लड़ाई में शामिल हैं और उनकी मौजूदगी केवल आतंकवाद के खिलाफ अभियान तक सीमित है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान में युद्ध या किसी अन्य क्षेत्रीय संघर्ष को इस हमले का औचित्य नहीं बनाया जा सकता।

राष्ट्रपति ने चेतावनी दी कि फ्रांस ऐसे हमलों को कभी बर्दाश्त नहीं करेगा और अपने सैनिकों के खिलाफ किसी भी हिंसक कार्रवाई का जवाब देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद से लड़ाई में फ्रांस की प्रतिबद्धता अडिग है और उनकी सेनाएँ पूरी जिम्मेदारी और साहस के साथ मिशन को जारी रखेंगी। रिपोर्ट के अनुसार एरबिल में तैनात फ्रांसीसी सैनिकों को निशाना बनाकर ड्रोन से हमला किया गया। इस हमले में पहले छह फ्रांसीसी सैनिक घायल हो गए थे।

फिर बढ़ा टैरिफ का खतरा: अमेरिका ने भारत समेत 16 व्यापारिक साझेदार देशों के खिलाफ शुरू की जांच

वाशिंगटन, एजेंसी। वैश्विक व्यापार में एक बार फिर तनाव बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने भारत समेत 16 प्रमुख व्यापारिक साझेदार देशों के खिलाफ नई जांच शुरू की है। अमेरिका का आरोप है कि इन देशों की व्यापारिक नीतियां अमेरिकी उद्योगों को नुकसान पहुंचा रही हैं और इससे अमेरिकी बाजार पर दबाव बढ़ रहा है। यह जांच 1974 के अमेरिकी व्यापार अधिनियम की धारा 301 के तहत की जा रही है। यह वही कानून है जिसके तहत अमेरिका किसी देश की व्यापारिक नीतियों को अनुचित मानते हुए एकतरफा टैरिफ बढ़ा सकता है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने कहा कि इस जांच का मकसद यह पता लगाना है कि इन देशों की नीतियां अमेरिकी व्यापार के लिए नुकसानदेह हैं या नहीं।

अमेरिका ने जिन देशों के खिलाफ जांच शुरू की है उनमें भारत, चीन, बांग्लादेश, कंबोडिया, यूरोपीय संघ, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, मेक्सिको, नॉर्वे, सिंगापुर, स्विट्जरलैंड, ताइवान, मलयेशिया, थाईलैंड और वियतनाम शामिल हैं। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि इन देशों की औद्योगिक नीतियों के कारण वैश्विक बाजार में

अत्यधिक उत्पादन हो रहा है और इसका असर अमेरिकी उद्योगों पर पड़ रहा है।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने कहा कि जांच का मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना है कि इन देशों की नीतियां अमेरिकी कंपनियों के लिए अनुचित या भेदभावपूर्ण तो नहीं हैं। इसके साथ ही यह भी देखा जाएगा कि क्या इन नीतियों के कारण अमेरिकी व्यापार पर बोझ पड़ रहा है या उसका विस्तार सीमित हो रहा है। जांच में विनिर्माण क्षेत्र में अतिरिक्त उत्पादन और क्षमता से जुड़े मुद्दों पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि वह अपने औद्योगिक आधार को कमजोर नहीं होने देगा। अधिकारियों के मुताबिक कई देशों में अतिरिक्त उत्पादन को अमेरिकी बाजार में निर्यात किया जा रहा है। इससे अमेरिकी कंपनियों को नुकसान हो रहा है। इसलिए ट्रंप प्रशासन नए टैरिफ लगाने के विकल्पों पर भी विचार कर रहा है ताकि घरेलू उद्योगों को संरक्षण मिल सके। इस जांच प्रक्रिया के तहत 17 मार्च से टिप्पणियां दर्ज की जाएंगी। 15 अप्रैल तक कंपनियों और आम लोगों से सुझाव मांगे गए हैं। इसके बाद 5 मई के बाद सार्वजनिक सुनवाई की जाएगी। माना जा रहा है कि जुलाई में अस्थायी टैरिफ समाप्त होने से पहले ही जांच के नतीजे और संभावित नए टैरिफ प्रस्ताव सामने आ सकते हैं।

ईरान का दावा- इराक में मार गिराया अमेरिकी रिफ्यूलिंग विमान, अमेरिका ने नकारा

बगदाद, एजेंसी। ईरान के सरकारी मीडिया ने ईरान के सैन्य केंद्रीय मुख्यालय के प्रवक्ता का हवाला देते हुए दावा किया है कि पश्चिमी इराक में सक्रिय विद्रोही गुटों ने अमेरिका के एक सैन्य विमान को मिसाइल से मार गिराया है। यह विमान एक रिफ्यूलिंग विमान था। प्रेस टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, इस घटना में विमान में सवार सभी छह सैनिकों की मौत हो गई है। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के जनसंपर्क विभाग ने एक बयान जारी किया है। इस बयान में कहा गया कि रेजिस्टेंस फ्रंट के एयर डिफेंस सिस्टम ने बोइंग चष्ट-135 स्ट्रैटोटैंकर को उस समय निशाना बनाया, जब वह एक लड़ाकू विमान में ईंधन भर रहा था। दूसरी ओर, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने विमान के गिरने की बात तो मानी है, लेकिन किसी भी तरह के हमले से साफ इनकार किया है। अमेरिकी सेना ने एक प्रेस रिलीज जारी कर बताया कि 'ऑपरेशन एपिक

फ्यूरी' के दौरान उनका एक बोइंग चष्ट-135 विमान इराक के ऊपर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी दी कि यह घटना मित्र देश के हवाई क्षेत्र में हुई। इस अभियान में दो विमान शामिल थे। इनमें से एक विमान पश्चिमी इराक में गिर गया, जबकि दूसरा विमान सुरक्षित उतरने में कामयाब रहा। अमेरिकी सेना ने स्पष्ट किया कि यह हादसा किसी दुश्मन की गोलीबारी की वजह से नहीं हुआ है। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल मौके पर बचाव कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे स्थिति साफ होगी, और जानकारी दी जाएगी। सेना ने सैनिकों के परिवारों की निजता का सम्मान करने और धैर्य बनाए रखने की अपील की है। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी ईरान के साथ चल रहे हालातों पर अपनी बात रखी। व्हाइट हाउस में एक कार्यक्रम के दौरान ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ स्थिति बहुत तेजी से बदल रही है। उन्होंने अमेरिकी सेना की ताकत की जमकर तारीफ की। ट्रंप ने कहा कि हमारी सेना जैसी दुनिया में कोई दूसरी ताकत नहीं है। ट्रंप ने संकेत दिया कि उनकी सरकार अब वे कदम उठा रही है, जो दशकों पहले उठाए जाने चाहिए थे। उन्होंने कहा कि उनके पहले कार्यकाल में सेना को मजबूत करने के लिए जो काम किए गए, उसी का नतीजा है कि आज अमेरिकी सेना इतनी मजबूती से काम कर रही है। सेना पर इतनी निर्भरता बढ़ेगी, लेकिन अंतरराष्ट्रीय हालातों को देखते हुए मजबूत सेना बहुत जरूरी हो गई है।

ब्रिटेन: मेटा-यूट्यूब पर बच्चों से दूरी बनाने का दबाव, ऑस्ट्रेलिया में कानून के बाद संस्थाओं ने चेताया

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के मीडिया और गोपनीयता नियामकों ने प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों से बच्चों को अपनी सेवाओं से दूर रखने के लिए और अधिक कदम उठाने की मांग की। उन्होंने चेताया कि कंपनियां अपने ही न्यूनतम आयु नियमों को लागू करने में विफल रही हैं। इन सोशल मीडिया कंपनियों में मेटा, टिकटॉक, स्नैप और यूट्यूब शामिल हैं, जिनकी बहुतायत सामग्री में अश्लीलता देखी जा रही है। ऑस्ट्रेलिया में सख्त कानून लागू होने के बाद यह मांग जोर पकड़ ली है। ब्रिटेन सरकार 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को ऐसे प्लेटफॉर्मों से प्रतिबंधित करने पर विचार कर रही है। ऑस्ट्रेलिया द्वारा उठाए गए कदमों के बाद ब्रिटेन में गोपनीयता नियामक ऑफकॉम और सूचना आयुक्त कार्यालय ने कहा कि वे एल्गोरिथम फीड्स को लेकर चिंतित हैं जो बच्चों को हानिकारक या व्यसनकारी सामग्री के संपर्क में लाते हैं। आईसीओ ने इन प्लेटफार्मों को खुला पत्र जारी कर उनसे 13 वर्ष से कम आयु के लोगों को सेवाओं तक पहुंचने से रोकने के लिए आधुनिक, व्यवहार्य आयु-सुनिश्चितता उपकरणों को अपनाने का आह्वान किया है। ब्रिटेन के ऑनलाइन सुरक्षा अधिनियम के नवीनतम कार्यान्वयन चरण में ऑफकॉम ने मेटा के स्वामित्व वाली फेसबुक और इंस्टाग्राम और साथ ही रोब्लॉक्स, स्नैपचैट, बाइटडांस के टिकटॉक और अल्फाबेट के यूट्यूब को 30 अप्रैल तक यह दिखाने को कहा है कि वे आयु जांच को कैसे सख्त करेंगे। उसने अजनबियों को बच्चों से संपर्क करने से रोकने और फीड को सुरक्षित बनाने तथा नाबालिगों पर नए उत्पादों का परीक्षण बंद करने संबंधी उपाय बनाने के निर्देश दिए हैं।

युद्ध का पर्यावरण पर बड़ा असर: इस्राइल-गाजा संघर्ष से 3.3 करोड़ टन कार्बन उत्सर्जन, जलवायु संकट का सच

इजराइल-गाजा, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी इस्राइल-गाजा संघर्ष का असर केवल इंसानों और अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं है। इस युद्ध का पर्यावरण पर भी गंभीर प्रभाव पड़ा है। एक नए अध्ययन में सामने आया है कि इस संघर्ष से अब तक लगभग 3.3 करोड़ मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड के बराबर उत्सर्जन हो चुका है। अध्ययन के अनुसार यह मात्रा इतनी बड़ी है कि इसे जॉर्डन के पूरे साल के कार्बन उत्सर्जन के बराबर माना जा सकता है। इतना ही नहीं, यह लगभग 76 लाख कारों से एक साल में निकलने वाले धुएं के बराबर है। इसके अलावा यह उतनी कार्बन मात्रा के बराबर है जितनी 3.31 करोड़ एकड़ जंगल एक साल में अवशोषित कर सकते हैं। इस विषय पर एक विस्तृत अध्ययन वैज्ञानिक जर्नल वन अर्थ में प्रकाशित हुआ है। इस शोध को लैंकेस्टर यूनिवर्सिटी और क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन के शोधकर्ताओं ने मिलकर तैयार किया है। शोध में युद्ध से जुड़े विभिन्न स्रोतों से होने वाले कार्बन उत्सर्जन का विस्तृत विश्लेषण किया गया है। अध्ययन के अनुसार केवल सक्रिय सैन्य अभियानों से ही 13 लाख मीट्रिक टन से अधिक कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन हुआ है। इसमें तोपखाने, रॉकेट, मिसाइल और अन्य सैन्य उपकरणों के इस्तेमाल से निकलने वाली ग्रीनहाउस गैसें शामिल हैं।

ईरान की आग लगाने की धमकी से दहला तेल बाजार

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया इन दिनों बारूद के ढेर पर खड़ा है। पिछले दो हफ्तों से जारी भीषण सैन्य टकराव ने पूरी दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा को हिला कर रख दिया है। हालात तब और भड़क उठे जब ईरान ने खुलेआम चेतावनी दे डाली कि उसके ऊर्जा ठिकानों पर हमला हुआ तो वह पूरे क्षेत्र के तेल और गैस ढांचे को आग के हवाले कर देगा। इस धमकी ने वैश्विक तेल बाजार में हड़कंप मचा दिया है और सप्लाई ठप पड़ने का डर और गहरा गया। इसी बढ़ते संकट के बीच अब अमेरिका ने अचानक रुख बदलते हुए दूसरे देशों को रूसी तेल खरीदने के लिए अस्थायी मंजूरी देने का फैसला किया है। अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने नोटिस जारी कर जानकारी दी कि 12 मार्च को सुबह 12.01 बजे या उससे पहले

जहाजों पर लादे गए रूसी कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों से संबंधित लेनदेन की अनुमति दी गई है, और यह आदेश 11 अप्रैल तक प्रभावी रहेगा। यह फैसला उस समय आया है जब बीते 14 दिनों से अमेरिका और इस्राइल का ईरान

ट्रंप भी हो गए सतर्क, सभी देशों को रूसी तेल खरीद पर दी अस्थायी ढील

पर जारी भीषण हमला और जवाबी कार्रवाई के रूप में ईरान की ओर से इस्राइल और खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर बड़े पैमाने पर की जा रही बमबारी ने पूरे पश्चिम एशिया में तनाव को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है, जिसके चलते दुनियाभर में तेल की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं।

अमेरिका के वित्त मंत्रालय की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि यह कदम वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता बनाए रखने और तेल की बढ़ती कीमतों को काबू में रखने के लिए उठाया गया है। इसका बड़ा कारण यह भी है कि फिलहाल अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष के जल्द खत्म होने के संकेत भी नहीं मिल रहे हैं, इसलिए तेल आपूर्ति को लेकर चिंता और बढ़ गई है।

बता दें कि इससे पहले अमेरिका भारत को भी इसी तरह की छूट दे चुका है। 5 मार्च को अमेरिका ने भारत को 30 दिनों की विशेष अनुमति दी थी, जिसके तहत भारत रूस से तेल खरीद सकता है। ट्रंप प्रशासन ने बताया कि यह फैसला इसलिए लिया गया था ताकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की सप्लाई बनी रहे और कीमतों पर दबाव कम हो।

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि ट्रंप प्रशासन वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता बनाए रखने के लिए तेजी से फैसले ले रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान से पैदा हो रहे खतरे और अस्थिरता से भी निपटने की कोशिश कर रहा है। बेसेंट ने यह भी स्पष्ट किया कि यह अनुमति सिर्फ उस रूसी तेल पर लागू होगी जो पहले से जहाजों में लोड होकर समुद्र में जा रहा है।

उन्होंने कहा कि यह फैसला सीमित समय के लिए है और इससे रूस को बड़ा आर्थिक फायदा नहीं होगा, क्योंकि रूस को ऊर्जा से होने वाली ज्यादातर कमाई तेल के उत्पादन के समय लगने वाले टैक्स से मिलती है। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप सरकार की ऊर्जा नीतियों के कारण अमेरिका में तेल और गैस का उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। इससे अमेरिकी नागरिकों के लिए ईंधन की कीमतें कम रखने में मदद मिली है।अमेरिकी सरकार का कहना है कि फिलहाल तेल की कीमतों में जो बढ़ोतरी हुई है वह अस्थायी है और लंबे समय में इसका फायदा अमेरिका की अर्थव्यवस्था को मिलेगा। संघर्ष के बीच ईरानी सेना के केंद्रीय ऑपरेशन कमांड खातम अल-अंबिया के प्रवक्ता ने कहा अगर ईरान के ऊर्जा ठिकानों या बंदरगाहों पर हमला हुआ तो हम पूरे क्षेत्र के तेल और गैस ढांचे को आग लगा देंगे। इस बयान के बाद दुनिया भर के तेल बाजार में घबराहट बढ़ गई।

इटली को 1-0 से हराया, अब खिताब के लिए इंग्लैंड से भिड़ंत

इंडियन विमेंस हॉकी टीम वर्ल्ड कप क्वालिफायर के फाइनल में

हैदराबाद। एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप क्वालिफायर 2026 में भारतीय महिला टीम फाइनल में पहुंच गई है। हैदराबाद के जीएमसी बालयोगी हॉकी ग्राउंड में खेले गए सेमीफाइनल में भारत ने इटली को 1-0 से हराया।

मैच का एकमात्र गोल मनीषा चौहान ने 40वें मिनट में किया। फाइनल में भारत का सामना इंग्लैंड से होगा। मुकाबला शनिवार शाम 7:30 बजे खेला जाएगा।

दूसरे क्वार्टर में भारत को मिले 3 पेनल्टी कॉर्नर, पर गोल नहीं हुआ

दूसरे क्वार्टर में टीम इंडिया ने मैच पर अपनी पकड़ मजबूत की। मेजबान टीम ने मैदान के किनारों का इस्तेमाल करते हुए गेंद को आगे बढ़ाया और इटली के डी में लगातार हमले किए।

18वां मिनटः भारत को मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला। नवनीत कौर ने सीधा शॉट लिया, जिसे इटली की गोलकीपर लूसिया इनेस कारुसो ने शानदार तरीके से बचा लिया।

27वां मिनटः भारत को दूसरा पेनल्टी कॉर्नर मिला। टीम ने अलग वेरिएशन अपनाते हुए गेंद कप्तान सलीमा टेटे को दी, लेकिन उनका शॉट इटली के डिफेंडर ने गोल लाइन पर रोक

शुरुआती क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच रही कांटे की टक्कर

मैच की शुरुआत काफी रोमांचक रही। पहले क्वार्टर में दोनों ही टीमें मिडफील्ड में पोजीशन बनाने के लिए संघर्ष करती दिखीं। भारत ने शुरुआत में कुछ अच्छे अटैक किए और इटली के सर्कल में एंट्री की, लेकिन इटली के डिफेंस ने उन्हें रोक दिया। धीरे-धीरे इटली ने भी आक्रामक रुख अपनाया और गोल करने के कुछ अच्छे मौके बनाए, लेकिन भारतीय गोलकीपर और डिफेंडर्स ने मुस्तैदी दिखाई।

ब्रीफ न्यूज

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के पूर्व महासचिव कुशल दास का निधन

दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के पूर्व महासचिव कुशल दास का कल निधन हो गया। वे 66 वर्ष के थे। उन्होंने नवंबर 2010 में अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के महासचिव का पदभार संभाला और 2022 तक पद पर बने रहे। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने पूरे भारतीय फुटबॉल जगत की ओर से उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

शतरंजः भारत के 94वें और पूर्वोत्तर क्षेत्र के पहले ग्रैंडमास्टर बने मयंक चक्रवर्ती

दिल्ली। शतरंज में भारत ने एक नया इतिहास रचा है। असम के अंतर्राष्ट्रीय मास्टर मयंक चक्रवर्ती ग्रैंडमास?टर बन गये हैं। मयंक राज्य के पहले ग्रैंडमास्टर हैं। मयंक ने स्वीडन में अंतिम मानदंड हासिल कर भारत के 94वें ग्रैंडमास्टर बनने का गौरव प्राप्त किया है।

बुमराह की यॉर्कर का दुनिया में नहीं कोई मुकाबला, माइकल क्लार्क ने बताया सबसे खतरनाक गेंदबाज

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की घातक गेंदबाजी ने एक बार फिर विश्व क्रिकेट में उनकी खास पहचान को मजबूत कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने बुमराह की जमकर तारीफ करते हुए उन्हें मौजूदा समय का सबसे खतरनाक तेज गेंदबाज बताया है। क्लार्क का मानना है कि 145 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार, नई गेंद से स्विंग कराने की क्षमता और बेहद सटीक यॉर्कर बुमराह को बाकी तेज गेंदबाजों से अलग बनाते हैं। उन्होंने कहा कि बुमराह जैसी यॉर्कर पूरी दुनिया में शायद ही कोई गेंदबाज डाल पाता हो।

हाल ही में भारत की आईसीसी टी20 विश्वकप 2026 जीत के बाद क्लार्क ने बुमराह के प्रदर्शन को खास तौर पर सराहा। उन्होंने कहा कि बड़े मुकाबलों में दबाव झेलकर मैच जिताने की क्षमता ही बुमराह को खास बनाती है। फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ उनके शानदार प्रदर्शन को याद करते हुए क्लार्क ने कहा कि 15 रन देकर चार विकेट लेना किसी भी बड़े मैच में असाधारण उपलब्धि है। उनके अनुसार बुमराह ऐसे गेंदबाज हैं जो मुश्किल परिस्थितियों में भी मैच का रुख पलटने की क्षमता रखते हैं।

क्लार्क ने बुमराह की गेंदबाजी के तकनीकी पहलुओं पर भी विस्तार से बात की। उनका कहना है कि बुमराह की सबसे कम आंकी जाने वाली खासियत उनकी विविधता और सटीक एग्जीक्यूशन है। उन्होंने कहा कि बुमराह के पास गेंदबाजी के इतने विकल्प हैं, जो बहुत कम तेज गेंदबाजों के पास होते हैं। क्लार्क के मुताबिक बुमराह 100 में से 99 बार अपनी योजना को बिल्कुल सटीक तरीके से लागू करते हैं। वह पिच और परिस्थितियों को तेजी से समझ लेते हैं और उसी हिसाब से अपनी गेंदबाजी रणनीति बदल देते हैं।

आर्यना सबालेंका इंडियन वेल्स के फाइनल में

सेमीफाइनल में लिंडा नोस्कोवा को 6-3, 6-4 से हराया

खिताब के लिए रायबकिना से होगी भिड़ंत

मुंबई। इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट में वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका फाइनल में पहुंच गई हैं। उन्होंने सेमीफाइनल में लिंडा नोस्कोवा को 6-3, 6-4 से हराया। यह मुकाबला 1 घंटा 28 मिनट तक चला।

सबालेंका पिछले चार साल में तीसरी बार इंडियन वेल्स के फाइनल में पहुंची हैं। इससे पहले वह यहां दो बार उपविजेता रह चुकी हैं। अब फाइनल में उनका सामना कजाकिस्तान की एलिना रायबकिना से होगा। दूसरे सेमीफाइनल में रायबकिना ने यूक्रेन की एलीना स्वितोलिना को 7-5, 6-4 से हराया। ऑस्ट्रेलियाई ओपन की हार का बदला लेने का मौका सबालेंका के लिए यह फाइनल बेहद अहम है। साल 2026

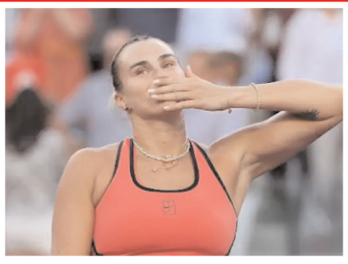

में सबालेंका ने अब तक 13 मैच खेले हैं, जिनमें से 12 में उन्हें जीत मिली है। उनकी एकमात्र हार इसी साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में एलिना रायबकिना के खिलाफ आई थी।

ऐसे में रविवार को सबालेंका के पास न सिर्फ उस हार का बदला लेने का मौका होगा,बल्कि इंडियन वेल्स में अपने 0-2 के फाइनल रिकॉर्ड (दो बार रनर-अप रहना) को सुधारने की भी चुनौती होगी।

सबालेंका ने ज्यादा मुकाबले जीते हैं

आर्याना सबालेंका और एलिना रायबकिना के बीच अब तक कुल 15 मुकाबले हुए हैं। इनमें सबालेंका का पलड़ा भारी है और उन्होंने 8 मैचों में जीत दर्ज की है। हालांकि, पिछले दो मुकाबलों में बाजी रायबकिना के हाथ लगी है।

खेल में रणनीति ही नहीं सही बॉडी लैंग्वेज भी जरूरी

यह कमजोर तो विरोधियों का आत्मविश्वास दोगुना

द न्यूयॉर्क। खेल मैदान पर अक्सर खिलाड़ियों के प्रदर्शन, उनके आंकड़ों और रणनीति की चर्चा होती है, लेकिन एक पहलू ऐसा है जो बिना कुछ कहे मैच का रुख बदल सकता है और वह है खिलाड़ी की 'बॉडी लैंग्वेज'। यह कोई किताबी या मनोवैज्ञानिक रहस्य नहीं है, बल्कि दबाव के पलों में हार और जीत के बीच का एक बड़ा अंतर साबित हो सकता है।

हाल ही में अमेरिकी बास्केटबॉल लीग एनबीए के दिग्गज खिलाड़ी केविन डुरंट की बॉडी लैंग्वेज चर्चा का विषय रही। एक मैच के दौरान जब उनके युवा साथियों ने कुछ खराब पास दिए, तो डुरंट ने झुंझलाते हुए हाथ हवा में उठा दिए और उनके कंधे झुक गए। विशेषज्ञों का मानना है कि जब एक दिग्गज खिलाड़ी मैदान पर ऐसी निराशा दिखाता है, तो इसका सीधा असर टीम के युवा खिलाड़ियों पर पड़ता है। वे स्वाभाविक खेल खेलने के बजाय सहम जाते हैं। मैदान पर किसी गलती के बाद जब कोई खिलाड़ी शारीरिक रूप से सिकुड़ता है या सिर झुकाता है, तो वह सिर्फ अपनी निराशा जाहिर नहीं कर रहा होता, बल्कि उस निराशा को खुद पर और अधिक हावी होने दे रहा होता है।

इसके विपरीत, जो खिलाड़ी भावनाओं पर काबू रखना जानते हैं, वे दबाव में भी टीम को बिखरने नहीं देते। डामियन लिलार्ड जैसे दिग्गज युवाओं को यही सलाह देते हैं कि अगर कोई पास छूट जाए या शॉट मिस हो जाए, तो अपनी प्रतिक्रिया को न्यूनतम रखें और तुरंत अगले मूव पर फोकस करें। इसी तरह, डब्ल्यूएनबीए की महान खिलाड़ी सू बर्ड को उनके शांत स्वभाव के लिए जाना जाता था।

दिल्ली में आयोजित खेल महाकुंभ के अंतर्गत वॉलीबॉल प्रतियोगिता के ग्रैंड फिनाले का जनकपुरी में आयोजन

दिल्ली। दिल्ली में आयोजित खेल महाकुंभ के अंतर्गत वॉलीबॉल प्रतियोगिता के ग्रैंड फिनाले का आज जनकपुरी के एक स्कूल में आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिल्ली सरकार के खेल मंत्री आशीष सूद ने फाइनल में पहुंचने वाले सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।द्व खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए श्री सूद ने कहा कि दिल्ली खेल महाकुंभ केवल एक प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि दिल्ली के खिलाड़ियों के भविष्य को मजबूत बनाने की दिशा में सरकार की एक पहल है। उन्होंने कहा कि पिछले एक महीने के दौरान आयोजित इस खेल महाकुंभ में 23 हजार से अधिक खिलाड़ियों को विभिन्न खेलों में भाग लेने का अवसर मिला। श्री सूद ने सभी कोचों, स्टेडियम प्रभारियों और स्कूलों के खेल शिक्षकों से भी अपील की कि वे मिलकर ऐसा

खेल वातावरण तैयार करें, जिससे दिल्ली के युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के अवसर

मैदान पर ग्लव्स-हेलमेट फेंकना सलमान आगा को पड़ा भारी

आईसीसी ने लगाई फटकार; क्या है पूरा मामला

ढाका। पाकिस्तान के बल्लेबाज सलमान 1आगा को बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे मैच में हेलमेट और ग्लव्स फेंकने के लिए आईसीसी ने फटकार लगाई है। इसके अलावा उनके खाते में एक डिमेरिट अंक लगाया गया है।

मैदान पर तमाशाः नाटकीय अंदाज में रन आउट हुए सलमान आगा, मेहदी हसन मिराज से भिड़े; जानें क्यों हो रहा विवाद

कैसे रन आउट हुए आगा

यह घटना पाकिस्तान पारी के 39वें ओवर में घटी। मेहदी हसन मिराज की गेंद चौथी गेंद पर मोहम्मद रिजवान ने शॉट खेला। गेंद को रोकने के लिए मिराज आगे बढ़े और अपने पैर से उन्होंने इसे रोका। इस दौरान नॉन स्ट्राइकर एंड पर खड़े सलमान आगा क्रीज से बाहर निकले हुए थे। चूंकि गेंद सलमान आगा के पास रुक गई थी तो उन्हें लगा कि गेंद पूरी हो गई है। किन मिराज ने तत्परता दिखाते हुए गेंद को स्टंप्स की ओर मारा और रन आउट की अपील कर दी। सलमान इससे चौंक गए, लेकिन वह क्रीज से बाहर थे और इस कारण तीसरे अंपायर ने उन्हें आउट दिया।

सलमान आगा के रन आउट पर क्यों छिड़ी बहस?

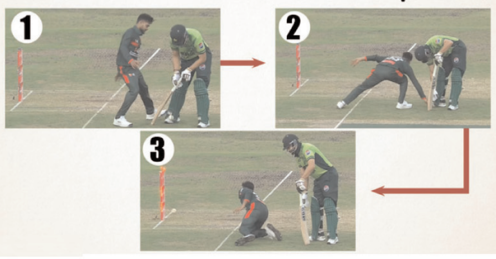

इससे सलमान बौखला गए और उन्होंने गुस्से में हेलमेट मैदान पर फेंक दिया और गुस्से से ड्रेसिंग रूम की ओर लौटे। ठ्पवेलियन लौटने से पहले सलमान ने मिराज के साथ बहस की, लेकिन बांग्लादेशी कप्तान उन्हें समझाते नजर आए।

आगा को क्या सजा मिली?

आगा को आधिकारिक चेतावनी दी गई है। उनके खाते में एक डिमेरिट अंक जोड़ दिया गया है। पिछले 24 महीनों में यह उनका पहला अपराध है। आईसीसी ने बताया कि आगा ने अपनी गलती स्वीकार कर ली और आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी के सदस्य नीमुर राशिद राहुल द्वारा प्रस्तावित सजा मान ली, इसलिए इस मामले में औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी।

शंघाई इंटरनेशनल सर्किट, शंघाई में फ़ॉर्मूला वन - चीनी ग्रां प्री रेस के दौरान मर्सिडीज़ के जॉर्ज रसेल ने स्प्रिंट रेस जीतने के बाद जश्न मनाया।

दावा था- 50-50 लाख पेनल्टी लगेगी; टी-20 वर्ल्डकप के सुपर-8 से बाहर हुआ था

पीसीबी बोला- किसी भी प्लेयर पर जुर्माना नहीं

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को कहा है कि किसी भी खिलाड़ी पर जुर्माना नहीं लगाया गया है। बोर्ड के प्रवक्ता अमीर मीर ने मीडिया रिपोर्ट्स का खंडन करते हुए कहा- 'किसी खिलाड़ी पर कोई जुर्माना नहीं लगाया गया है, लेकिन बोर्ड खिलाड़ियों के लिए एक फॉर्मूला तैयार करने पर विचार कर रहा है, ताकि उन्हें अधिक जवाबदेह बनाया जा सके।

पिछले साल तय हुआ था कि खिलाड़ियों को आईसीसी से मिलने वाली पीसीबी की वार्षिक आय में 3% हिस्सा दिया जाएगा, जोकि लगभग (3.4 करोड़ अमेरिकी डॉलर सालाना) के बराबर है।

श्रीलंका पर जीत के बावजूद बाहर हुआ पाकिस्तान

पाकिस्तान ने ग्रुप स्टेज के पहले मैच में नीदरलैंड के खिलाफ मुश्किल से जीत दर्ज की। इसके बाद ्र को हराया। श्रीलंका की परिस्थितियों और स्पिन गेंदबाजों के दम पर भारत के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन टीम 61 रन से हार गई। पाकिस्तान फिर नामीबिया को आखिरी मैच हराकर सुपर-8 स्टेज में पहुंचा।

सुपर-8 स्टेज में न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच बारिश में धुल गया। इंग्लैंड ने करीबी मुकाबला हरा दिया। इसके बाद सेमीफाइनल की उम्मीदें दूसरे मैचों के नतीजों पर टिक गईं। श्रीलंका पर करीबी जीत के बावजूद रन रेट खराब रहा। इस कारण न्यूजीलैंड सेमीफाइनल में पहुंच गया और पाकिस्तान बाहर हो गया।

स्पिनर उस्मान तारीक ने 10 विकेट लिए

पाकिस्तान के लिए साहिबजादा फरहान ने टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 383 रन बनाए। सईम अयूब, सलमान अली आगा, बाबर आजम और उस्मान खान 100 रन भी नहीं बना सके। स्पिनर उस्मान तारीक ने 10 विकेट लिए, जबकि बाकी गेंदबाजों का प्रदर्शन खराब रहा।

दावा- हर पाकिस्तानी प्लेयर्स पर 50 लाख रुपए का जुर्माना

12 दिन पहले 2 मार्च को कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि टी20 वर्ल्डकप में अंतिम-4 में जगह बनाने में विफल रहने के बाद हर पाकिस्तानी खिलाड़ी पर 50 लाख पाकिस्तानी रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

पाकिस्तानी नेशनल प्लेयर को हर महीने लाखों रुपए मिलते हैं

कैटेगरी	सैलरी + ICC शेयर (PKR लाख में)	कुल पाकिस्तानी रुपये (लाख में)	सैलरी (INR लाख में)
A	45 + 20.7	65.7	21.4
B	30 + 15	45	14.8
C	10 + 10	20	6.5
D	7.5 + 5	12.5	4.07

* PKR- पाकिस्तानी रुपये में | * INR - भारतीय रुपए में

नेशनल प्लेयर्स को हर महीने लाखों रुपए मिलते हैं

पाकिस्तान में नेशनल टीम का हिस्सा प्लेयर्स को 4 कैटेगरी में सैलरी मिलती है। ए कैटगरी में करीब 65 लाख, बी कैटेगरी में 45 लाख, सी कैटेगरी में 20 लाख और डी कैटेगरी में 12.50 लाख रुपए हर महीने मिलते हैं। हालांकि, जुलाई 2025 से जून 2026 के पिछले कॉन्ट्रैक्ट में पीसीबी ने किसी भी खिलाड़ी को ए कैटेगरी में नहीं रखा। पाकिस्तान के खिलाड़ियों को सेंट्रेल कॉन्ट्रैक्ट के तहत मासिक रिटेनर के अलावा मैच और दौरे की फीस तथा जीत के बोनस मिलते हैं। प्लेयर्स को बोर्ड के लोगो स्पॉन्सरशिप समझौते से भी हिस्सा मिलता है।

मोर गांव मोर पानी जल संगवारी अभियान में संतान के नाम किया गया सोख्ता निर्माण

ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण जागरूकता अभियान तेज

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

जिले में जल संरक्षण और भूजल स्तर को बढ़ाने के उद्देश्य से ÷मोर गांव मोर पानी जल संगवारी अभियान÷ के तहत सोख्ता गड्ढा निर्माण का कार्य तेज़ी से किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत ÷संतान के नाम सोख्ता÷ बनाने की पहल भी शुरू की गई है, ताकि लोगों में जल संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता बढ़े। प्रशासन की इस पहल को ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है . कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे एवं जिला पंचायत सीईओ इंद्रजीत बर्मन के निर्देशानुसार जनपद पंचायत बरमकेला के सीईओ अजय कुमार पटेल लगातार ग्राम पंचायतों का दौरा कर ग्रामीणों को सोख्ता निर्माण के लिए प्रेरित और जागरूक कर रहे हैं। ग्राम सभाओं और बैठकों के माध्यम से लोगों को बताया जा रहा है कि घरों, स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों के पास सोख्ता गड्ढा बनाकर वर्षा जल और उपयोग में आने वाले पानी को जमीन में पुनर्भरण किया जा सकता है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि बरमकेला विकासखंड में अब तक लगभग 5000 सोख्ता गड्ढों का निर्माण किया जा चुका है। इससे गांवों में जलभराव की समस्या कम होने के साथ-साथ भूजल स्तर को बनाए रखने में भी मदद मिल रही है। सीईओ अजय कुमार पटेल ने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक परिवार अपने घर के आसपास सोखता गड्ढा बनाकर पानी की बर्बादी को रोक सकता है। इससे न केवल स्वच्छता बनी रहती है, बल्कि जल संरक्षण को भी बढ़ावा मिलता है। ग्राम पंचायतों में आयोजित जनजागरूकता कार्यक्रमों में पंचायत प्रतिनिधि, रोजगार सहायक और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित होकर इस अभियान को सफल बनाने में सहयोग कर रहे हैं। प्रशासन का लक्ष्य है कि आने वाले समय में हर गांव में अधिक से अधिक सोख्ता गड्ढों का निर्माण हो, जिससे जल संरक्षण को बढ़ावा मिले और भविष्य के लिए पानी का सुरक्षित भंडार सुनिश्चित किया जा सके।

गौधाम योजना से सालर और सहसपानी गौधाम का हुआ वर्चुअल शुभारंभ

कंवलाझर गौशाला में किया गया लाइव कार्यक्रम का प्रसारण और गौपूजा

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

निराश्रित, घुमन्तू और अवैध परिवहन आदि से जब्त किए गए गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए गौधाम योजना का शुभारंभ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बिलासपुर जिले से की। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने वर्चुअल मोड में सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के सालर और सहसपानी गौधाम का शुभारंभ भी किया। इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण और गौपूजा सारंगढ़ के समीप कंवलाझर गौधाम में किया गया।

इस अवसर पर कंवलाझर गौशाला में जनपद पंचायत सारंगढ़ के कृषि सभापति शशि कोमल पटेल सहित गौधाम के अन्य सदस्यों ने गौमाता को चावल कुमकुम से तिलककर और माला पहनाकर गौधाम कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में उप संचालक पशुधन डॉ महेन्द्र पांडेय, गौसेवा जिला अध्यक्ष शनिराम साहू, डॉ जितेन्द्र मिश्रा, सदस्य नरोत्तम द्विवेदी, ब्लॉक अध्यक्ष रामप्रकाश जायसवाल, हरिदेव मदन मोहन गौशाला के कंवलाझर के सदस्य नंदकिशोर गोयल, प्रमोद केशरवानी, विष्णुप्रपन्न आचार्य, रमेश केडिया, श्रीनिवास वर्मा, पीआरओ देवराम यादव, डॉ अजय खलखो, डॉ रामभूषण तिवारी, पशुधन विकास विभाग के अन्य डॉक्टर, गौशाला के गौसेवादार, चरवाहा आदि उपस्थित थे।

यातायात नियमों का पालन करने या चालान के लिए रहें तैयार

18 प्रकरण में यातायात सेल ने 13 हजार का किया चालान

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

3 सवारी, बिना हेलमेट और सीट बेल्ट आदि पर होगी चालानी कार्यवाही

नागरिकों के जानमाल की रक्षा और यातायात नियमों का पालन कराने के लिए जिले के यातायात और पुलिस विभाग के दल ने कार और मोटर सायकल ड्राइविंग के दौरान बिना हेलमेट, सीट बेल्ट नहीं पहनने और तीन सवारी पर, 194 बी 1, 50/177, 130, 122, 128, 179, 112, 115 जैसे धाराओं के तहत कुल 18 प्रकरण में 13 हजार रूपये की यातायात चालानी कार्यवाही की गई। इस कार्य में यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक जितेन्द्र चन्द्रा, उप निरीक्षक समेलाल सोनवानी, प्रधान आरक्षक मुकेश साहू, आरक्षक अक्षय रात्रे और सनसाई तिग्गा शामिल थे।

रात होते ही शहर की सडक़ों पर मौत का वारंट लेकर दौड़ रही भारी वाहनें

जुर्माना लगाकर विभाग झाड़ रहा पल्ला.

रायगढ़/मूक पत्रिका

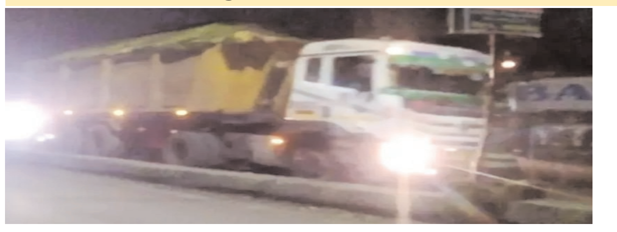

रात होते ही शहर की सडक़ों पर भारी वाहनों का रेलम-पेल फिर से शुरू हो गया है, साथ ही जुर्माने से बचने के लिए वाहन चालक तेज गति से वाहनों को निकाल रहे हैं। इससे रात के समय हादसे का खतरा बढ़ गया है। वहीं सुबह होते तक सडक़ में गिट्टी से लेकर कोयले व अन्य रॉ-मटेरियल बिखरा नजर आ रहा है। इसको लेकर सडक़ किनारे के रहवासियों की चिंता बढने़ लगी है। उल्लेखनीय है कि विगत लंबे समय से केलो नदी पर स्थित गोबर्धनपुर पुल क्षतिग्रस्त हालत में पड़ा हुआ है, हालांकि इस स्थिति में भारी वाहनों के लिए अलग से रुट चार्ट दिया गया है, लेकिन डीजल बचाने के चक्कर में चालक रात होते ही शहर की सडक़ों से वाहनों को निकालने लगे हैं, हालांकि पूर्व में इसका विरोध होने के बाद काफी दिनों तक बंद हो गया था, लेकिन अब फिर से विगत सप्ताहभर से चालू हो गया है। ऐसे में अब रात दो बजे के बाद बोइरदादर चौक से लेकर चक्रधरनगर चौक तक वाहनों की कतार आसानी से देखी जा सकती है, लेकिन इसके बाद भी इन वाहन चालकों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है। इसके चलते अब फिर से हादसे का खतरा बढ़ गया है। वहीं स्थानीय लोगों की मानें तो रात में चलने वाली वाहनों की रफ्तार काफी तेज रहती है, इससे जहां-जहां ब्रेकर बना है वहां सुबह होते तक गिट्टी व अन्य सामग्री सडक़ में फैले आसानी से देखा जा सकता है। इसको लेकर अब हादसे का खतरा फिर से सताने लगा है, वहीं यह भी कहा जा रहा है कि रात में चलने वाले वाहन चालक तेज गति से वाहन चलाते हैं, ऐसे में यह भय बना रहता है कि कहीं यह वाहन किसी के मकान या दुकान में न घुस जाए, हालांकि इस तरह के हादसे अमुमन देखने को मिलता है। ऐसें ऐसे वाहन चालकों पर कड़ी कारवाई होनी चाहिए, ताकि शहर में न घुसकर बाइपास मार्ग से ही भारी वाहन निकले। उल्लेखनीय है कि इन दिनों ज्यादातर भारी वहन कबीर चौक से जुटमिल थाना होते हुए चक्रधरनगर चौक और बोइरदादर होते हुए तमनार की तरफनिकल रही है तो वहीं तमनार की तरफ से आने वाली वाहन बोईरदादर चौक होते हुए चक्रधरनगर चौक से कोई जामगां, तो कोई कबीर चौक व उर्दना चौक के लिए निकल रही है। इससे रात के समय चौक-चौराहों में इनकी कतार आसानी से देखी जा सकती है। वहीं बताया जा रहा है कि इन दिनों जो भी भारी वाहन शहर में घुस रही है वह दो बजे के बाद ही आती है, ताकि इस समय पुलिस का पहरा नहीं होने से आसानी से निकल सके।

दो दिन पहले पलटा था ट्रेलर

दो दिन पहले ही एक बेकाबू ट्रेलर चक्रधरनगर चौक में पलट गया था, इससे उसका मटेरियर सडक़ में पूरी तरह से फैल गया था, हालांकि इसकी सूचना मिलते ही वाहन को सुबह होते तक हटवा दिया गया, इससे यातायात प्रभावित नहीं हुआ, लेकिन अगर यही स्थिति रही तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

इसके साथ ही ओवरलोडिंग के चलते सडक़ें भी जल्दी खराब होगी, इससे शहरवासियों को फिर से परेशान होना पडग़ा। वहीं यातायात विभाग की मानें तो शहर में घुसने वाले भारी वाहनों पर लगातार चालानी कार्रवाई की जा रही है, लेकिन इसके बाद भी इनका आना कम नहीं हो रहा है। इसको लेकर अब पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। वहीं लोगों का कहना है कि अगर यही स्थिति रही तो कभी भी यह बेकाबू ट्रेलर दुकान व मकान में घुस जाएगी, जिससे जान माल को नुकसान हो सकता है। ऐसे में इस पर रोक लगाना बेहद जरूरी हो गया है।

नक्सलियों की बड़ी साजिश नाकाम,कांकेर में 4 शक्तिशाली IED बरामद, जवानों ने ध्वस्त किए 4 नक्सल स्मारक

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर :- उत्तर बस्तर के कांकेर जिले में नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत सुरक्षाबलों को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। रविवार को डीआरजी (DRG) और बीएसएफ (BSF) की संयुक्त टीम ने नक्सलियों द्वारा बिछाए गए मौत के जाल को नाकाम करते हुए 4 शक्तिशाली आईईडी (IED) बरामद किए। साथ ही, इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी के प्रतीक माने जाने वाले 4 स्मारकों को भी मलबे में तब्दील कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, यह पूरी कार्रवाई थाना छोटेबेटिया के अंतर्गत आने वाले हापाटोला और बीनागुण्डा के पहाड़ी जंगली क्षेत्रों में की गई। सुरक्षाबलों को खुफिया इनपुट मिला था कि नक्सलियों ने सुरक्षाबलों को निशाना बनाने के लिए भारी मात्रा में विस्फोटक छिपा रखा है। सर्चिंग के दौरान जवानों ने नक्सलियों के एक डंप से 3 प्रेशर कुकर बम (01 बम 10 किलो और 02 बम 5-5 किलो के), 1 पाइप आईईडी, बिजली के तार और नक्सली वर्दी, भारी मात्रा में विस्फोटक और नक्सल साहित्य बरामद किया। पकड़े गए बम इतने शक्तिशाली थे कि उनकी चपेट में आने पर बड़ी जनहानि हो सकती थी। बम निरोधक दस्ते ने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी 4 आईईडी को जंगल में ही नियंत्रित विस्फोट (Controlled Blast) कर नष्ट कर दिया। इसके अलावा, ग्राम कलपर-आमाटोला में नक्सलियों द्वारा अपनी ताकत दिखाने के लिए बनाए गए 4 स्मारकों को भी जवानों ने ढहा दिया। यह सफल ऑपरेशन बस्तर आईजी सुंदरराज पी., बीएसएफ डीआईजी ओमप्रकाश और कांकेर एसपी निखिल कुमार राखेचा के कुशल मार्गदर्शन में चलाया गया। फील्ड पर 94वीं वाहिनी बीएसएफ के 2ढ्ढष्ट मनोज कसाना, एसी सतेंदर मोहन और डीआरजी के जवानों ने मोर्चा संभाला। पुलिस का कहना है कि इस कार्रवाई से इलाके में नक्सलियों के नेटवर्क को करारा झटका लगा है।

खबर का 'पंच'

जवानों के बढ़ते कदमः नक्सल प्रभावित इलाकों में पुलिस और बीएसएफकी लगातार गश्त से नक्सलियों के पैर उखड़ने लगे हैं। डंप से वर्दी और साहित्य का मिलना बताता है कि नक्सली बैकफुट पर हैं।

अनदेखी उप स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ कर्मचारी कर रहा है अपने घर में निजी क्लीनिक का संचालन

रायगढ़/मूक पत्रिका

मिली जानकारी के अनुसार मामला उप स्वास्थ्य केंद्र भागोरा का है जहाँ मोतीलाल साहू जो की नेत्र सहायक पद पर पदस्थ है जो की लंबे समय से अपने घर पतरापाली मे बिना अनुमति के अवैध रूप से निजी क्लीनिक चला रहे हैं। उप स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ नेत्र सहायक द्वारा अवैध निजी क्लीनिक चलाना शासकीय नियमों का उल्लंघन है उप स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत नेत्र सहायक के लिए अपने घर में निजी क्लीनिक का संचालन करना आमतौर पर प्रतिबंधित है। सरकारी कर्मचारी के रूप में, वे अपनी ड्यूटी के घंटों के दौरान या निजी तौर पर मरीजों से फीस लेकर अभ्यास नहीं कर सकते, क्योंकि यह उनके सेवा नियमों का उल्लंघन है। जिससे ग्रामीणों को सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित होना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने ऐसे कर्मचारियों के खिलाफ शिकायत कर सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि लोगों को उचित स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

अवैध क्लीनिक संचालन के मुख्य पहलू: कर्तव्य में लापरवाहीः उप स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ कर्मचारी सरकारी काम में रुचि नहीं ले रहे हैं।

निजी क्लीनिक: नेत्र सहायक (साहू जी) घर पर अवैध रूप से निजी क्लीनिक चला रहे हैं। ग्रामीणों पर प्रभावः सरकारी सेवाओं के अभाव में ग्रामीण परेशान हो रहे हैं।

प्रशासनिक अनदेखी: स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारियों से कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई (अंकुश लगाने) की मांग की गई है।

संभावित कार्रवाई: ग्रामीणों की शिकायत के आधार पर संबंधित स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन को ऐसे कर्मचारियों की जांच करनी चाहिए और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई (जैसे कि निलंबन या बर्खास्तगी) की जानी चाहिए। क्या कहते है सीएचमओं = आपने ने मेरे संज्ञान मे दिए है जांच कराता हु

कलेक्टर ने जलावर्धन एवं समूह जलप्रपात योजना कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए

कलेक्टर ने नदी तट पर जाकर जल आवर्धन एवं समूह जल प्रदाय योजना का किया अवलोकन

कलेक्टर ने कहा, जल आपूर्ति कार्य में किसी भी प्रकार के लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी

गर्मी के मौसम में सरिया बरमकेला क्षेत्र के लोगों को शीघ्र पीने का पानी उपलब्ध कराने प्रयास

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

गर्मी से पहले पेयजल की व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने शनिवार को बरमकेला विकासखंड में प्रगतिरत बरमकेला जलावर्धन योजना के निर्माणाधीन डब्ल्यूटीपी, पानी टंकी पाइपलाइन विस्तार एवं कलमा बैराज में निर्मित बरमकेला जलावर्धन कलमा बैराज में निर्मित समूह जलप्रदाय के इंटकवेल तथा सरिया के अमृत मिशन 2.0 के जल आवर्धन में बन रहे इंटकवेल कार्यों का मौके पर जाकर निरीक्षण किया एवं इंटकवेल, डब्ल्यूटीपी, पानी टंकी पाइपलाइन विस्तार, पानी टंकी के कार्यों को गुणवत्तापूर्ण तरीके से समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरे का उद्देश्य सरिया बरमकेला क्षेत्र के लोगों को गर्मी के मौसम में साफ पानी मिल सके और पेयजल की किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत ना हो। कलेक्टर ने कहा कि, जल आपूर्ति कार्य में किसी भी प्रकार के लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

धीमी गति पर ठेकेदार को फटकार

मौके पर इंटेकवेल में काम बंद होने तथा कार्य की धीमी प्रगति पर कलेक्टर ने संबंधित ठेकेदार और इंजीनियर को फटकार लगाई और कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता रमाशंकर कश्यप एसडीओ बी एल खरे, सीएमओ सरिया, तहसीलदार, सीईओ जनपद, इंजीनियर आदि उपस्थित थे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।